



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डॉक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweet's

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-241 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, रविवार, 25 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

तंबाकू की लत नहीं हो रही कम, शराब के सुरूर में भी डूब रहे लोग

यूनिक्क समय, मथुरा। तंबाकू की लत से छुटकारा पाने की कोशिशों के बीच मथुरा में इसके उपभोग की तस्वीर चिंताजनक है। राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के आंकड़ों के अनुसार, जिले में 15 वर्ष और इससे अधिक उम्र के 47.9 प्रतिशत पुरुष किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, इसी आयु वर्ग के 17 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। महिलाओं में भी तंबाकू के इस्तेमाल के आंकड़े कम नहीं हैं। जिले में 14.3 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू का उपयोग करती हैं, जबकि 0.4 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं।

तंबाकू का इस्तेमाल केवल सिगरेट और



बीड़ी तक सीमित नहीं है। गुटखा, तंबाकूयुक्त पान मसाला और खैनी जैसे उत्पाद भी लोगों की सेहत को प्रभावित करते हैं। इनके नियमित सेवन से मुंह के कैंसर, मसूड़ों की बीमारी और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। तंबाकू का सेवन करने वाले कई लोग

15 साल से अधिक उम्र के 47.9 प्रतिशत पुरुष करते हैं तंबाकू का इस्तेमाल, 17 प्रतिशत शराब का सेवन करने वालों में शामिल

इसे सामान्य आदत मानते हैं, जबकि लंबे समय तक इसका इस्तेमाल गंभीर परिणाम दे सकता है। जिले में 16 प्रतिशत पुरुषों का शराब सेवन करना भी चिंता का विषय है। शराब का अत्यधिक और नियमित सेवन लिवर की बीमारियों, उच्च रक्तचाप, दुर्घटनाओं और

जागरूकता के साथ नशामुक्ति सेवाएं जरूरी

तंबाकू और शराब की लत से बचाव के लिए जागरूकता अभियान, नियमित परामर्श और नशामुक्ति सेवाओं तक आसान पहुंच जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि नशे को केवल व्यक्तिगत आदत मानने के बजाय जनस्वास्थ्य की चुनौती के रूप में देखा जाए। वरिष्ठ फिजीशियन डा. आरएन गर्ग का कहना है कि शौक और संगत की वजह से युवा तंबाकू और शराब के आदी बन रहे हैं। इससे घरों में कलह आम हो गया है। कैंसर बढ़ने की बड़ी वजह भी तंबाकू है।

पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं का कारण बन सकता है। नशे की आदत का असर केवल सेवन करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और

बच्चों के माहौल पर भी पड़ सकता है। सर्वेक्षण के ये आंकड़े वर्ष 2024-25 के हैं। इससे स्पष्ट है कि तंबाकू और शराब का सेवन जनस्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौती है।

दूसरे धर्म के युवक से विवाह करने पर युवती की हत्या, शव दफनाया

प्रेमी की शिकायत पर पुलिस ने भाई की निशानदेही पर कब्र से निकलवाया शव

प्रेमी ने राजस्थान में प्रेमिका के परिजन के खिलाफ दर्ज कराया था अपहरण का मुकदमा

यूनिक्क समय, मथुरा। दूसरे धर्म के युवक से प्रेम विवाह करने वाली युवती की हत्या कर शव परिजन ने कब्रिस्तान में दफना दिया। प्रेमी की शिकायत पर थाना गोविन्द नगर पुलिस ने मृतका के भाई की निशानदेही पर घटना के करीब एक माह बाद कब्रिस्तान अंधीकुड़िया स्थित कब्र से उसका शव निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस ने मृतका के भाई को हिरासत में ले लिया है। अन्य परिजन की पुलिस



तलाश कर रही है। गोविन्द नगर थाना क्षेत्र स्थित बद्री नगर नई बस्ती निवासी नाजिया उर्फ जन्नत ने राजस्थान के झुंझनु के पचेरीकलां में रहने वाले रविन्द्र कुमार से करीब तीन-चार माह पूर्व प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद वह दिल्ली में रविन्द्र के साथ रहने लगी। परिजन जन्नत के प्रेम विवाह से नाराज थे।

करीब एक माह पूर्व परिजन दिल्ली पहुंचे और जन्नत को इस बात का भरोसा देकर अपने साथ ले आए कि वह रविन्द्र से ही उसका विवाह करा देंगे।

जन्नत परिजन के साथ चली आई। इसके कुछ दिन बाद ही जन्नत का

दिल्ली फैक्ट्री में काम करते थे प्रेमी-प्रेमिका

मूल रूप से बद्री नगर नई बस्ती मथुरा निवासी नाजिया उर्फ जन्नत दिल्ली स्थित किसी फैक्ट्री में काम करती थी। उसी फैक्ट्री में रविन्द्र भी काम करता था। वहीं दोनों की मुलाकात हुई और बात शादी तक पहुंच गई। बताया जाता है कि नाजिया के अन्य परिजन भी दिल्ली फैक्ट्री में काम करते थे।

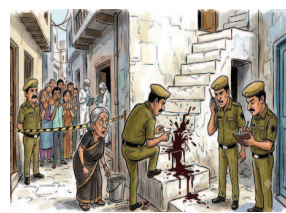
परिजन ने बताई थी करंट से मौत

बताया जाता है कि नाजिया उर्फ जन्नत की मौत करीब एक माह पूर्व हुई थी। बस्ती वालों को हत्या का शक न हो इसके लिए परिजन ने कहानी गढ़ी थी। परिजन ने बस्ती वालों को बताया कि घर में हीटर पर खाना बनाते समय करंट लगने से नाजिया की मौत हो गई है। इसके बाद परिजन ने आनन-फानन में उसके शव को अंधीकुड़िया स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया।

फोन बंद हो गया। रविन्द्र उसे लगातार फाने मिलाता रहा। उसने परिजन से बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने बात नहीं की। शक होने पर रविन्द्र ने राजस्थान झुंझनु में पत्नी जन्नत का अपहरण कर ले जाने की जीरो एफआईआर दर्ज कराई, जिसे राजस्थान पुलिस ने विवेचना के लिए गोविन्द नगर थाने पर भेज दिया। गोविन्द नगर पुलिस ने शनिवार की रात जन्नत के भाई अशरफ को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की, तो उसने

बहन की हत्या कर शव को कब्र में दफन करने की बात स्वीकार की।

इसके बाद गोविन्द नगर पुलिस ने सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र के आदेश पर आरोपी अशरफ की निशानदेही पर अंधीकुड़िया कब्रिस्तान स्थित कब्र से नाजिया उर्फ जन्नत का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीग गेट चौकी प्रभारी मयंक ने बताया कि भाई की निशानदेही पर कब्र से नाजिया उर्फ जन्नत का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।



चूना कंकड़ क्षेत्र में अकेली रहती थी वृद्धा

यूनिक्क समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित होली वाली गली के चूना कंकड़ में अकेली रह रही 80 वर्षीय वृद्धा का खून से लथपथ शव घर की सीढ़ियों पर पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस शीघ्र ही घटना का खुलासा किए जाने का दावा कर रही है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के चूना कंकड़ में रहने वाली 80 वर्षीय सुमन चतुर्वेदी अकेली रहती थीं। रविवार की सुबह घर में काम करने वाली महिला दूध लेकर उनके घर पहुंची। घर में सुमन को नहीं देख काम करने आई महिला ने उन्हें तलाश किया तो छत की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर खून से लथपथ सुमन चतुर्वेदी का शव पड़ा देख महिला की चीख निकल गई। उसने शोर मचाया तो पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी

लूटपाट के बाद हत्या का शक

घर की सीढ़ियों पर वृद्धा का शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद लोग लूटपाट के बाद हत्या का शक जाहिर कर रहे थे। लोगों का कहना था कि मृतका के कानों के कुंडल और हाथों के कंगन गायब हैं।

अंदर से बंद थे सीढ़ियों के किवाड़

सीढ़ियों में मिले वृद्धा के शव के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गहनता से घटना स्थल का निरीक्षण किया। सीढ़ियों के किवाड़ अंदर से बंद थे। वहीं शव के निकट खून से सनी दो ईट पड़ी मिलीं, जिन्हें फॉरेंसिक टीम ने कब्जे में ले लिया।

आगरा में रहता है वृद्धा का बेटा

अकेली रहने वाली सुमन चतुर्वेदी की चार बेटियां और एक बेटा है। सभी की शादी हो चुकी है। बेटियां अपनी अपनी ससुराल और बेटा आगरा में रहता है। सभी बच्चे समय समय पर मां की राजी खुशी जानने के लिए आते रहते थे। घर के काम के लिए नौकरानी को लगाया हुआ था।

निरीक्षक अजय कौशल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

करीब 500 जोड़ों की 27 अक्टूबर को कराई जानी थी शादियां

सरकारी फेरों पर मतगणना का ब्रेक, अब चार को शादियां

यूनिक्क समय, मथुरा। जिले में 27 अक्टूबर को होने वाले सरकारी फेरों पर एमएलसी चुनाव की मतगणना का ब्रेक लग गया है। अब सरकारी शादियां अगले माह चार नवंबर को हो सकती हैं। चार नवंबर को होने वाले इस सरकारी आयोजन में करीब पांच सौ से अधिक शादियां होने का अनुमान लगाया जा रहा है। फिलहाल मतगणना के बाद आयोजन से जुड़ी तस्वीर साफ होगी।

आर्थिक तंगी के चलते बेटियों की शादी को लेकर चिंतित गरीब परिवारों को सुकून देने को सरकार सामूहिक शादियां करा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में एमएलसी चुनाव से पहले 27 अक्टूबर को सामूहिक विवाह समारोह आयोजित



करने की योजना बनी थी। शासन ने इस साल के लिए 930 जोड़ों का विवाह कराने का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य आने के बाद समाज कल्याण विभाग ने सामूहिक आयोजन के लिए 27 अक्टूबर की तिथि तय की थी, लेकिन आयोजन से पहले मतगणना का पेंच फंसने से तय आयोजन अब चार नवंबर तक आगे बढ़ गया है। योजना के तहत सरकार विवाह पर आर्थिक सहायता देने के साथ

सरकार देगी आर्थिक मदद, दुल्हन के खाते में आएंगे 60 हजार रुपये

नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का सामान भी उपलब्ध कराएगी।

समाज कल्याण विभाग को योजना के लिए शनिवार तक करीब 500 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन पत्रों का सत्यापन कर पात्र जोड़ों का चयन किया जा चुका है। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर कुल 1.01 लाख रुपये खर्च किए जाने की व्यवस्था है। इसमें 60 हजार रुपये दुल्हन के बैंक खाते में भेजे जाएंगे, जबकि 25 हजार रुपये की विवाह उपहार सामग्री दी जाएगी। शेष

15 हजार रुपये विवाह समारोह के आयोजन, भोजन, पंडाल और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाएंगे।

योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना और उन्हें शादी के लिए कर्ज लेने की मजबूरी से बचाना है। विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को भी योजना में शामिल किया गया है। योजना की पात्रता के लिए परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये तक होनी चाहिए। वधू की आयु कम से कम 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य है। पात्रता सत्यापन के बाद चयनित जोड़ों को समारोह में शामिल किया जाएगा।

9972 अभ्यर्थियों ने पीईटी परीक्षा से बनाई दूरी

यूनिक्क समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) रविवार को जिले के 33 केंद्रों पर आयोजित हुई। परीक्षा को लेकर सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटने लगी। दोनों पालियों में कुल 18,300 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन इनमें से 9972 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कुल 8328 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में 9137 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, जिनमें

दोनों पालियों में 18,300 अभ्यर्थियों को देना था इम्तिहान 8328 ने दी परीक्षा

से 4999 गैरहाजिर रहे। इस पाली में 4138 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं, दूसरी पाली में 9163 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 4973 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे और 4190 ने परीक्षा में भाग लिया। दोनों पालियों के आंकड़ों के अनुसार, जिले में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा से दूरी बनाए रखी।

शरद पूर्णिमा पर चांदनी महल में छप्पनभोग की दिव्य छटा बिखरी



रविवार को गोवर्धन में शरद पूर्णिमा पर श्री गिराज सेवा ट्रस्ट की ओर से सजाया गए छप्पनभोग की झांकी में श्रीनाथ जी के स्वरूप में विराजमान गिराज महाराज।

यूनिक समय, मथुरा। शरद पूर्णिमा पर आन्वौर परिक्रमा मार्ग स्थित चांदनी महल भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर हो उठा। श्री गिराज जी सेवा ट्रस्ट मथुरा की ओर से श्री गिरिराज निकुंज के चांदनी महल में ठाकुर श्री गिरिराजजी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। ठाकुरजी के दिव्य दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। दोपहर दो बजे साधु-संतों की मौजूदगी में दर्शन के पट खुले तो पूरा परिसर 'गिरिराज महाराज की जय' के जयकारों से गूंज उठा।

शरद पूर्णिमा पर ठाकुरजी की विशेष सेवा-पूजा की गई। आकर्षक वस्त्रों और आभूषणों से सजे गिरिराज महाराज श्रीनाथजी के स्वरूप में भक्तों को दर्शन दे रहे थे। चांदनी महल के बगीचे में सजी छप्पन भोग की भव्य झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। साज-सज्जा

आन्वौर परिक्रमा मार्ग के चांदनी महल में सजे दिव्य दर्शन, श्रीनाथजी स्वरूप में विराजे गिरिराज महाराज

शाम को हुआ भव्य महारास 19 वर्षों से निभाई जा रही छप्पन भोग महोत्सव की परंपरा

महारास ने बांधा समां छप्पन भोग में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

और भक्तिमय वातावरण के बीच ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो द्वार युग की स्मृतियां साकार हो उठी हों और माता यशोदा अपने लाड़ले को छप्पन भोग अर्पित कर रही हों। श्रद्धालु देर तक इस

अलौकिक झांकी के दर्शन कर भाव-विभोर होते रहे।

श्री गिराज जी सेवा ट्रस्ट परिवार पिछले 19 वर्षों से छप्पन भोग महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ करता आ रहा है। इस वर्ष भी ठाकुरजी को रिझाने के लिए बांदनी महल में विशेष सजावट की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और परिक्रमार्थी पहुंचे और दर्शन कर पुण्य लाभ लिया।

शाम को विशाल भवन में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विशेष महारास का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ट्रस्ट की ओर से परिक्रमा मार्ग में प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई। ट्रस्ट के सदस्यों ने सेवा भाव से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

आयोजन में दीनदयाल चौपईया वाले, महेश बंसल भट्टे वाले, प्रदीप

अग्रवाल, श्री गुप मुकेश अग्रवाल डब्लू साड़ी वाले, ए.एन. भाटिया, विशाल बंसल ताजापानी, पवन अग्रवाल टोटू, धर्मेन्द्र बंसल सी.ए., विजय माहेश्वरी मुरसान वाले, शोभित अरोड़ा, अभय गुप्ता, गणेश वार्ष्णेय, ओमप्रकाश अग्रवाल किले वाले, अशोक कुमार अग्रवाल गुड्डा वाले, पवन अग्रवाल, दिनेश कुमार घी वाले, किशोर कुमार कोयला वाले, मनोज अग्रवाल केडी डेंटल, मोनू मित्तल, विजय कुमार शोरा वाले, राजीव अग्रवाल बृजवासी, जयंती प्रसाद, प्रमोद गर्ग कसेरे, राजीव अग्रवाल सर्राफ, सतीश कुमार रस्तोगी, अंकित गुप्ता, ललित आरोड़ा वृंदावन, कुलदीप अरोड़ा सीए, उमेश चंद गुड्डा वाले, राजेश बजाज दिलीप सर्राफ, मनीष गोयल सीए, अमित जैन और बड़ी संख्या में सभी सदस्य-महिला सदस्याएं उपस्थित रही।

शरद पूर्णिमा पर वृंदावन के परिक्रमा मार्ग में उमड़ा आस्था का सैलाब



रविवार को शरद पूर्णिमा पर परिक्रमा करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। शरद पूर्णिमा पर रविवार को धर्मनगरी का परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त परिक्रमा लगाने पहुंचे। राधे-राधे के जयकारों के बीच श्रद्धालु राधानाथी और भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए परिक्रमा करते नजर आए। पर्व और रविवार की छुट्टी का संयोग होने से भक्तों की आवाजाही बढ़ी रही।

ब्रज में शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी कारण मथुरा-वृंदावन के मंदिरों में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए दूर-दराज से भी श्रद्धालु पहुंचे। परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह भक्तों की कतारें और लगातार आवाजाही देखने को मिली। कोई परिवार के साथ परिक्रमा कर रहा था तो कोई भजन-

राधे-राधे के जयकारों से गूंजा मार्ग, सुबह से देर तक लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

रविवार की छुट्टी और पर्व के संयोग से बढ़ी भक्तों की आवाजाही

कीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहा था। पूरे मार्ग पर भक्ति और उल्लास का माहौल छाया रहा। शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच परिक्रमा मार्ग पर सुचारु आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना भी प्रशासन के लिए अहम रहा। गोवर्धन में भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु परिक्रमा के लिए पहुंचे।

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा ब्रज में पहली बार
India's Most Advanced

CRRT
(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं इन्टेंसिविटी विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DrNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किस-किस स्थिति में मदद करता है?

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कौशलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच. 19, मथुरा

शरद पूर्णिमा पर चंद्रलोक सा सजा श्रीकेशवदेव मंदिर



छप्पन भोग के मध्य विराजमान श्रीगिरिराज जी।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर रविवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव धार्मिक उल्लास और ब्रज की परंपराओं के अनुरूप मनाया गया। श्रीकेशवदेव मंदिर के गर्भगृह को चंद्रलोक का स्वरूप दिया गया। चांदनी जैसी धवल विद्युत सज्जा और पुष्प बंगले में विराजमान ठाकुरजी के अलौकिक दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

श्रीगिरिराज जी का विशेष श्वेत श्रृंगार और छप्पनभोग भी आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर परिसर में सफेद वस्त्रों और रोशनी से सजी झांकी ने भक्तों को ब्रज की दिव्य छटा का अनुभव कराया। सुबह से श्रद्धालुओं को खीर महाप्रसाद वितरित किया गया। दोपहर 11 बजे लीलामंच प्रांगण में भंडारा हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सायंकाल छह बजे लीलामंच पर भजन संध्या में भजन गायिका सोनी सिस्टर और अंजली साध्वी ने कृष्ण भजनों से वातावरण भक्तिमय कर दिया। इसके बाद श्रीकृष्ण चबूतरा पर

श्वेत श्रृंगार और छप्पनभोग के दर्शन कर निहाल हुए श्रद्धालु

भजन संध्या और महारास लीला ने बांधा समां

वृंदावन के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की मनोहारी लीला और महारास का मंचन किया।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रृंगार, भोग, प्रसाद सेवा, भजन संध्या और महारास महोत्सव के प्रमुख आकर्षण रहे। आयोजन में शरद पूर्णिमा महोत्सव समिति के गौरव अग्रवाल, गजानन साड़ी वाले, राहुल गोयल, प्रतीक शर्मा, अमित गुप्ता, अनिल भाई, पंकज अग्रवाल, बन्दी गोला, पारस अग्रवाल, माधव अग्रवाल, जीतू हरनौल, प्रवीण बंसल और बालमुकुंद अग्रवाल सहित समिति सदस्यों का सहयोग रहा।



श्वेत पोशाक में चंद्रलोक में विराजमान केशव देव।

यूनिक समय, मथुरा। शरद पूर्णिमा पर प्राचीन ठाकुर श्री केशव देव मंदिर में आस्था और भक्ति का उल्लास छाया रहा। पर्व पर ठाकुरजी को चंद्रलोक के स्वरूप में रजत सिंहासन पर विराजमान कराया गया। प्रभु के अलौकिक दर्शन और छप्पन भोग की झांकी निहारने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंदिर परिसर को दूधिया रोशनी से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

पर्व पर प्रातः सेवायतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक किया। इसके बाद प्रभु को श्वेत वस्त्र धारण कराए गए और आकर्षक फूल बंगला सजाया गया। चंद्रलोक की छटा के बीच रजत सिंहासन पर विराजमान ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। भक्तों ने दर्शन कर आराध्य के चरणों में शीश नवाया और छप्पन भोग अर्पित कर पुण्य लाभ लिया।

शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा

भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु, पंचामृत अभिषेक के बाद हुआ विशेष श्रृंगार

सामूहिक संकीर्तन मंडल की ओर से भजन संध्या आयोजित की गई। दीपक शर्मा, हरीश गुड्डा, महेश चंद्र गोयल, वीरेंद्र ठाकुर और उमेश प्रेस वालों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। माहौल ऐसा बना कि भक्त अपने कदम थिरकने से नहीं रोक सके। देर तक मंदिर परिसर भजन-कीर्तन और जयकारों से गूंजता रहा। आयोजन के समापन पर श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरित किया गया। व्यवस्थाओं में मनीष अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, बिदेश अग्रवाल, मुकुममानी शर्मा और वृजानंदन शर्मा सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सहयोग किया।

INS
The Network Specialists

Google Partner

30 YEARS
of Expertise

DIGITAL MARKETING NOW IN MATHURA

GO DIGITAL
Promote your Offline Business --> Online

Optimum Business Reach to your Customers at Affordable Cost.

PEOPLE GO ONLINE + THEY SEE YOU = YOU GET MORE CUSTOMERS

(CALL NOW)
+91 8077039791 | +91 8868895670 | +91 9719769738
Office - Krishna Nagar Chowk, Mathura +91 9837115157

सार संक्षेप

तीन चोरी की
मोटरसाइकिलों और
अवैध चाकू के साथ
दो आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोरा पुलिस ने दो आरोपियों को चोरी की तीन मोटरसाइकिलों और एक अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मां मंशा देवी आवासीय कॉलोनी के पास से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज निवासी गोला कुआ, बाजना और मौसम निवासी मेवाती नगला, थाना हाईवे के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इनमें एक होंडा डीम युगा मोटरसाइकिल, दूसरी मोटरसाइकिल काले रंग की स्प्लेंडर प्लस बिना नंबर की है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना मगोरा के थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अवन कुमार और उपनिरीक्षक कमल किशोर सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

568 ग्राम गांजा और चोरी की मोटर साइकिल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक आरोपी को 568 ग्राम अवैध गांजा और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को देर रात गुरुकुल के सामने खाली पड़े खंडहरों के पास स्थित मैदान से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान पप्पू उर्फ दीपक निवासी गिरधारी मंदिर के पास, गौरानगर कॉलोनी वृंदावन के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 568 ग्राम अवैध गांजा और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार और उपनिरीक्षक राहुल चौधरी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सोमवार को बंद रहेगी राया अनाज मंडी

यूनिक समय, राया। व्यापारियों का माल नहीं उठ पाने के कारण सोमवार को उप राया अनाज मंडी पूर्ण रूप से बंद रहेगी। मंडी अध्यक्ष दलवीर चौधरी ने व्यापारी बंधुओं और कच्चे आदितियों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने किसानों को मंडी बंद रहने की सूचना समय से दे दें, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

युवक ने गले में फंदा लगाकर दी जान

यूनिक समय, मथुरा। शेराढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मझौई में युवक ने गले में फंदा लगाकर कुंड़े से लटकर जान दे दी। ग्राम मझौई में रहने वाले 25 वर्षीय योगेश पुत्र बने सिंह का शव घर के कमरे में कुंड़े के सहारे फंदे पर लटका देख परिजन के होश उड़ गए। परिजन ने आनन-फानन में उसे नीचे उतारा और इलाज के लिए छाता केडीएमसी लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने योगेश को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर थाना शेराढ़ पर तैनात उप निरीक्षक दीपक चौधरी पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पथराव पर पुलिस का पर्दा टूट से हो गई हलचल



फरह थाना के ओल चौकी क्षेत्र में जमकर पथराव, चले लाठी-डंडे

कार्रवाई के बजाय घटना को दबाए बैठे रहे ओल चौकी प्रभारी

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र की पुलिस चौकी ओल में एक समुदाय के लोगों ने जकर पथराव किया, लाठी-डंडे चलाए, दुकानों शटर धड़ाधड़ गिर गए, लेकिन चौकी प्रभारी ने बड़े बवाल पर पर्दा डाल दिया। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित सीसी फुटेज और ट्वीट से पुलिस का खेल बिगड़ गया। अब पुलिस मुकदमा लिखने के बाद मामले को दबाए गए बवाल में कार्रवाई करने में जुटी है।

मामला ओल गांव के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र से जुड़ा है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल करीब दो मिनट की सीसीटीवी फुटेज में दोपहर डेढ़ बजे सब सामान्य है। गली में दुकानें खुली हैं,

यह था मामला, सात पर दर्ज हुआ था मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र के गांव ओल निवासी शाहरुख पुत्र गम्फार ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे इरफान उर्फ टिल्लू, मोहम्मद, सोहिल उर्फ टिट्टी, समीर, आसिफ, साकिर और जाबिर एकराय होकर उसके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी के हाथों में लाठी-डंडे और धारदार हथियार थे। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए उसके भाई

घर में घुसकर मारपीट सात लोगों के खिलाफ मुकदमा

गब्बर और अफसर पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। आरोपियों ने उसकी दुकान पर भी पथराव किया। विरोध करने पर उसके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की गई।

ग्राहकों के इंतजार में दुकानदार बैठे हुए हैं। तभी अचानक चार-पांच मुसलिम युवक भागते हुए आकर एक दुकान के पास पड़े ईंटों के ढेर के पास आकर रुकते हैं, जिधर से भागते हुए आते हैं, उसी दिशा में दनादन ईंट फेंकने में जुट जाते हैं।

करीब एक एक मिनट बाद ईंट फेंक रहे युवकों की ओर से एक महिला सामने की ओर जाती है, उसी के पीछे एक वृद्ध तेजी से जाता दिखाई देता है। इसके बाद पथराव करने वाले युवक हाथों में लाठी-डंडे लेकर जाते हुए दिखते हैं, इसके बाद कुछ और लोग दौड़ते हैं।

अनहौनी की आशंका पर आसपास

के दुकानदार बाहर रखे सामान को जल्दी समेटते हुए धड़ाधड़ शटर गिराते दिखते हैं।

दिन में एक ही समुदाय के लोगों के इस विवाद पर पुलिस एफआइआर तो दर्ज करती है, लेकिन प्रबंधकीय कार्यप्रणाली के सिस्टम के वशीभूत होकर कार्रवाई के नाम पर पर्दा डालकर बैठ जाती है।

शनिवार रात को इंटरनेट मीडिया पर बवाल से जुड़े फुटेज जारी होने के बाद डीजीपी तक ट्वीट होने के बाद आला अधिकारी हरकत में आते हैं, इसके बाद कार्रवाई शुरू होती है। पांच दिन तक पुलिस चुप्पी साधे क्यों बैठी रही, यह जेहन में नहीं उतर रहा है।

साइबर ठगी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। फर्जी आधार कार्ड के माध्यम सिम निकलवाकर मोबाइल फोन चलाने वाले अरमान पुत्र हनीफ निवासी दौलतपुर को गोवर्धन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे सकरवा कट के पास से पकड़ा था।

अरमान फर्जी मोबाइल के माध्यम से लोगों को लिंक और ओटीपी भेजकर ठगी करता था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और फर्जी आधार कार्ड बरामद हुआ है।

पीड़ित ने गोविन्द नगर थाने में दर्ज कराई धोखाधड़ी की रिपोर्ट

ट्रांसफर कर ली थी।

अकील खान ने खाता संख्या के आधार पर साइबर ठगों के खिलाफ गोविन्द नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर शान्ति के तलाश कर रही है।

स्वाद में लाजवाब
सेहत में बेहतरीन
भुना दलिया।

OUR PRODUCTS

- M.P Wheat Atta
- Multi Grain Atta
- Multi Millet Atta
- Missa Atta
- Makka Atta
- Bajra Atta
- Murmura
- Poha
- Sooji
- Roasted Daliya
- Kuttu Atta
- Maida

www.greengoldgrocers.com 8272013780

टप्पेबाजी कर महिलाओं से टगी करने वाला गिरफ्तार



रविवार को टप्पेबाजी की घटना के खुलासे की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चिन्हित करता था शिकार महिला से ठगे गए 30 लाख रुपये के जेवरत बरामद

यूनिक समय, मथुरा। टप्पेबाजी कर महिला से लाखों रुपये के जेवरत ठगने वाले शातिर को हाईवे थाना पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से महिला से ठगे गए जेवरत भी बरामद किए हैं। आरोपी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपने शिकार को चिन्हित करता था और मौका पाकर ठगी की वारदात को अंजाम देता था। पुलिस ने बरामद जेवरतों की कीमत 30 लाख रुपये बताई है। हाईवे थाना पुलिस ने टप्पेबाजी कर महिलाओं से ठगी करने वाले लोकेन्द्र पुत्र लक्ष्मण निवासी नगला सुखा थाना मुरसान जिला हाथरस को गिरफ्तार कर लिया। लोकेन्द्र इंटरनेट मीडिया के जरिए लोगों की पहचान कर उन्हें अपने जाल में फंसाता था। इसके बाद टप्पेबाजी के माध्यम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता था। महिला से जेवरत ठगने के मामले में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

खुलासे से चंद घंटे पूर्व दर्ज की रिपोर्ट

महिला से टप्पेबाजी की घटना 9 सितंबर 2026 को हुई थी। पीड़िता तभी से रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने के चक्कर काट रही थी। हाईवे पुलिस ने उसकी दर्ज नहीं की। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने खुलासे से चंद घंटे पहले पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

लोकेन्द्र के कब्जे से वल्लभकुंज कालोनी निवासी अनीता चौधरी पत्नी नितिन मलिक से टप्पेबाजी कर ठगे गए जेवरत बरामद हुए हैं। इस वारदात को उसने नौ सितंबर 2026 को अंजाम दिया था। जिसकी रिपोर्ट पीड़िता ने हाईवे थाने में दर्ज कराई थी। बरामद जेवरतों की कीमत पुलिस ने 30 लाख रुपये बताई है। आरोपी पहले इंटरनेट मीडिया के माध्यम से महिलाओं से संपर्क करता था इसके बाद महिलाओं को उनके पति एवं परिवार के अन्य सदस्यों के विरुद्ध भड़काकर उनके पारिवारिक सम्बन्धों में अविश्वास पैदा करके महिलाओं को डराकर-गुमराह कर धोखाधड़ी के माध्यम से उनके कीमती आभूषण ठग लेता था।

अब दिल का इलाज हुआ और भी आसान, मथुरा का सबसे विश्वसनीय

हृदय रोग संस्थान

अगर आप महसूस कर रहे हैं ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें

जैसे:- बेचेनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दबाव महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बाएं हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना

फ्री | ओ.पी.डी. | ई.सी.जी ब्रड शुगर की जाँच

हृदय फंसेलेक्स से कीर्तलेश इलाज की सुविधा | भारतीय रेस्यु से सम्बद्ध | ECHS की सुविधा

● Angioplasty, Angiography
● Heart Failure Management
● Pediatric Cardiac Intervention/Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना) | Volutoplasties, BMV

● 2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal DSE, Strain, Tee)
● Cardiac ICU with all modern facilities
● Cardiac Catheterization

अन्य सुविधाएँ

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP:- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28 सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पटाखा बाजार में छाया 'धमाका', 350 रुपये में मिल रही नाल बम

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली के त्योहार को लेकर पटाखों के बाजार में रौनक बढ़ने लगी है। बाजार में पारंपरिक बम और पटाखों के साथ इन दिनों 'धमाका' यानी 'नाल बम' भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बंदूक जैसी बनावट वाले इस आइटम को हाथ में पकड़कर चलाया जाता है। इसकी खास बनावट और धमाके जैसी आवाज के कारण लोग इसे दूसरे पटाखों के साथ खरीदना पसंद कर रहे हैं। कृष्णा नगर बिजलीघर के बाहर लगी दुकान पर भी इसकी बिक्री शुरू हो गई है।

धमाका, नाल बम विक्रेता निषाद ने बताया कि धमाका, जिसे नाल बम भी कहा जाता है, करीब 350 रुपये में उपलब्ध है। इसमें गंधक और पोटास



दीवाली पर धमाके को बनी नाल। दीवाली पर धमाकों के लिए नाल बनाता कारीगर।

डाला जाता है, जिसके बाद यह फूटता है।



इसे चलाने के लिए सरिया खींचा जाता

है। बंदूक जैसी बनावट होने के कारण यह

बंदूक जैसी बनावट सरिया खींचकर फोड़ा जाता है धमाका

पिछले दो-तीन साल से ट्रेंड में, कृष्णा नगर बिजलीघर के बाहर लगी दुकान पर बिक्री शुरू

सामान्य पटाखों से अलग नजर आता है। दीपावली को देखते हुए ग्राहक इसकी खरीदारी में भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। धमाका यानी नाल पिछले दो-तीन साल

से ट्रेंड में चल रहा है। दीपावली पर पटाखे खरीदने आने वाले कई लोग बम-पटाखों के साथ इसे भी लेना पसंद करते हैं। इसकी अलग बनावट और चलाने का तरीका लोगों का ध्यान खींचता है। यही वजह है कि त्योहार के दौरान पटाखों के बाजार में इसकी भी मांग देखने को मिल रही है।

दीपावली नजदीक आने के साथ बाजार में खरीदारी का माहौल बनने लगा है। लोग घरों में रेशनी और आतिशबाजी की तैयारियों के लिए अलग-अलग तरह के पटाखे खरीद रहे हैं। पारंपरिक पटाखों के बीच धमाका यानी नाल भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। कृष्णा नगर बिजलीघर के बाहर लगी दुकान पर इसकी बिक्री त्योहार के बाजार की

करवा चौथ पर निखरेगा रूप, ब्यूटी पार्लरों में सोलह श्रृंगार की बढ़ी तैयारी



करवा चौथ के लिए संवरती महिला।

फेशियल से हेयर स्पा तक एडवांस बुकिंग

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों से लेकर ब्यूटी पार्लरों तक रौनक बढ़ने लगी है। सुहागिनों में पर्व को लेकर उत्साह है। कोई मनपसंद साड़ी और आभूषण खरीदने में जुटी है तो कोई चेहरे की चमक और बालों की खूबसूरती निखारने के लिए ब्यूटी पार्लर पहुंच रही है। सोलह श्रृंगार के साथ खास दिखने की चाह ने सौंदर्य

फेशियल से हेयर स्पा तक आकर्षक पैकेज की पेशकश

कृष्णा नगर रामलीला मैदान के बाहर स्थित महालक्ष्मी मेकअप स्टूडियो एंड एकेडमी की संचालिका कविता सिंगोरिया ने बताया कि करवा चौथ को देखते हुए महिलाओं के लिए विभिन्न ब्यूटी पैकेज तैयार किए गए हैं। इनमें ब्लीच, फेशियल, थ्रेडिंग, हेयर स्पा, मैनीक्योर, पेडीक्योर और डिटेन वैक्स जैसी सेवाएं शामिल हैं। महिलाएं अपनी जरूरत और पसंद के अनुसार इनका चयन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि त्योहार के मद्देनजर स्टूडियो में विभिन्न ऑफर भी दिए जा रहे हैं। महिलाएं त्वचा की देखभाल से लेकर बालों को संवारने तक पर ध्यान दे रही हैं। कपड़ों, आभूषणों और श्रृंगार के सामान की खरीदारी के साथ ब्यूटी ट्रीटमेंट भी उनकी तैयारियों का हिस्सा बन गया है। करवा चौथ के रंग में रंगे बाजारों और पार्लरों की बढ़ती चहल-पहल त्योहार की रौनक को और बढ़ा रही है।

सेवाओं की मांग बढ़ा दी है। फेशियल, ब्लीच, हेयर स्पा, मैनीक्योर और पेडीक्योर के लिए महिलाएं पहले से ही बुकिंग कर रही हैं। करवा चौथ पर महिलाएं व्रत रखने के साथ सजने-संवरने की तैयारियों को भी खास महत्व देती हैं। पारंपरिक परिधानों के साथ आकर्षक मेकअप और निखरा रूप त्योहार की तैयारियों का अहम हिस्सा बन गया है। इसी के चलते ब्यूटी पार्लरों में भी कामकाज बढ़ने लगा है।

महिलाएं अपनी पसंद, जरूरत और बजट के हिसाब से सौंदर्य सेवाएं चुन रही हैं, ताकि करवाचौथ के दिन उनका लुक खास नजर आए।

एथलेटिक्स और हैंडबॉल के जिला स्तरीय चयन ट्रायल 26 और 28 को

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में वाराणसी में प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें भाग लेने वाली आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 26 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होगा। मंडलीय चयन ट्रायल 27 अक्टूबर को शाम तीन बजे आयोजित किया जाएगा।

इच्छुक खिलाड़ियों को जन्मतिथि का मूल प्रमाणपत्र, आधार कार्ड लेकर निर्धारित समय पर उपस्थित होना होगा।

वहीं खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में आजमगढ़ में प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 28 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होगा। मंडलीय चयन प्रक्रिया 29 अक्टूबर को दोपहर दो बजे निर्धारित है।

अलीगढ़ में तैयार होते हैं वृंदावन के प्रसिद्ध लड्डू गोपाल



यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी वृंदावन में लड्डू गोपाल की मूर्तियों का विशेष महत्व है। यहां आने वाले श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार लड्डू गोपाल की मूर्ति खरीदकर घर ले जाते हैं। खास बात यह है कि वृंदावन में बिकने वाली ललड्डू गोपाल की प्रसिद्ध मूर्तियां अलीगढ़ में तैयार की जाती हैं और वहां से वृंदावन लाई जाती हैं। रमणरेती रोड स्थित माखनचोर दुकान के मालिक लोकेश अग्रवाल ने बताया कि उनकी दुकान पर अलीगढ़ से तैयार होकर लड्डू गोपाल की मूर्तियां आती हैं। इनका आकार 0 से लेकर 21 तक होता है। उन्होंने बताया कि जीरो साइज की मूर्ति का वजन करीब 50 ग्राम होता है, जबकि 21 नंबर की मूर्ति का वजन लगभग 13 किलोग्राम तक रहता है। यदि कोई श्रद्धालु अपनी इच्छा के अनुसार इससे बड़े आकार की मूर्ति बनवाना चाहता

दो प्रकार की होती हैं मूर्तियां

लोकेश अग्रवाल के अनुसार,



लड्डू गोपाल की मूर्तियां मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं। इनमें पीतल और अष्टधातु की मूर्तियां शामिल हैं। हालांकि वास्तविक मिश्रण निर्माण परंपरा के अनुसार अलग हो सकता है। वृंदावन में लड्डू गोपाल की मूर्तियों की अलग-अलग आकार और धातुओं में उपलब्धता श्रद्धालुओं को अपनी पसंद के अनुसार ठाकुर जी का स्वरूप चुनने का अवसर देती है।

है, तो उसके लिए भी विशेष रूप से मूर्ति तैयार कराई जा सकती है।

दुवासु ने मनाई रजत जयंती उपलब्धियों पर हुआ मंथन

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में रविवार को 25वां स्थापना दिवस रजत जयंती के रूप में मनाया गया। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के नेतृत्व में आयोजित समारोह का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ।

दून विश्वविद्यालय देहरादून की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने 'प्रकृति, संस्कृति, संस्कार: भारतीय नारी की जड़ से जगत तक की यात्रा' विषय पर व्याख्यान दिया। विशेष संवाद सत्र में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता और संयुक्त मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला नेतृत्व, सार्वजनिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार साझा किए। विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने

महिला नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण पर जोर, इंटरन विद्यार्थियों को मिलेगा 12 हजार रुपये मासिक वजीफा

समारोह में उत्साह भर दिया।

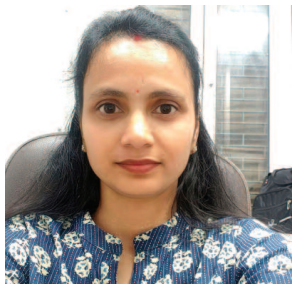
विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के अनुसार, 30 सितंबर 2026 तक यहां 1059 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। पशु चिकित्सा सेवाओं से प्रतिवर्ष करीब 19 हजार पशुओं का उपचार होता है। वर्ष 2025-26 में 94 प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 3922 प्रतिभागी लाभान्वित हुए, जबकि 119 प्रसार गतिविधियों में 8471 लोगों ने सहभागिता की। बीवीएससी और एएच के इंटरन विद्यार्थियों के लिए 12 हजार रुपये प्रतिमाह वजीफा भी स्वीकृत किया गया है।

बच्चों के बचपन पर भारी पड़ती मोबाइल की लत

बढ़ रहा चिड़चिड़ापन और स्वास्थ्य संकट

यूनिक समय, मथुरा। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल फोन बच्चों के जीवन का एक ऐसा हिस्सा बन गया है, जो उनके सुनहरे बचपन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। कभी मैदानों में खेलने-कूदने और परिवार के साथ वक्त बिताने वाले बच्चे आज घंटों मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कई बच्चे मोबाइल दिखाए बिना भोजन तक नहीं करते। कम उम्र में लगती यह लत उनके व्यवहार, पढ़ाई, नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो समस्या विकराल रूप ले सकती है।

जिला अस्पताल की नैदानिक मनोविज्ञानिक नीतू सिंह के अनुसार, मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के संपूर्ण विकास में बाधा बनता है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से बच्चों में



जिला अस्पताल की नैदानिक मनो विज्ञानिक नीतू सिंह

चिड़चिड़ापन, बेचैनी, एकाग्रता में कमी और अनिद्रा जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके अलावा, बच्चों में अकेले रहने की प्रवृत्ति घर कर रही है, जिससे वे परिवार और बाहरी खेलों से दूर होते जा रहे हैं। हालांकि अवसाद के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अत्यधिक स्क्रीन टाइम इसका एक बड़ा उद्देगक जरूर बन रहा है।

उन्होंने बताया कि शारीरिक स्तर पर भी इसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। लगातार स्क्रीन देखने से बच्चों की आंखें कमजोर हो रही हैं, आंखों में सूखापन,

समाधान और अभिभावकों के लिए जरूरी सुझाव

समय सीमा तय करें: बच्चों के लिए प्रतिदिन स्क्रीन टाइम का एक दायरा निर्धारित करें।

विकल्प दें: बच्चों को मोबाइल थमाने के बजाय आउटडोर गेम्स, पेंटिंग, क्राफ्ट और किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

पारिवारिक समय: बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं और उनसे संवाद स्थापित करें।

बेडरूम में पाबंदी: सोने से कम से कम एक घंटा पहले बच्चों को सभी प्रकार की स्क्रीन से दूर रखें।

बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह काटने के बजाय उनके संतुलित और सीमित इस्तेमाल की आदत डालना ही इस समस्या का एकमात्र और कारगर समाधान है।

माता-पिता की लापरवाही और आधुनिक जीवनशैली

मनोविज्ञानिक का कहना है कि इस लत के पीछे कई बार माता-पिता की अनजाने में हुई लापरवाही भी शामिल होती है। बच्चों को चुप कराने, आसानी से खाना खिलाने या उन्हें व्यस्त रखने के लिए उनके हाथों में मोबाइल थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे यह सुविधा बच्चों की आदत बन जाती है और मोबाइल न मिलने पर वे आक्रामक या जिद्दी हो जाते हैं।

सिरदर्द और धुंधलापन जैसी दिक्कतें आ रही हैं। देर रात तक मोबाइल चलाने से उनकी नींद का चक्र बिगड़ रहा है,

जिसका सीधा असर अगले दिन उनकी स्कूल की पढ़ाई और ऊर्जा पर पड़ता है।

किसी के चेहरे पर मुस्कान, तो किसी को जीके ने उलझाया



सेठ बीएन पोद्दार से प्रारंभिक अर्हता परीक्षा देकर निकले परीक्षार्थी।

पीईटी देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने साझा किए अनुभव

किसी को पेपर आसान तो किसी को लगा कठिन

यूनिक समय, मथुरा। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की पहली पाली की परीक्षा देकर रविवार को केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों के चेहरे किसी की खुशी बयां कर रहे थे तो किसी की परेशानी। पेपर खत्म होते ही कोई अपने दोस्तों से सवालों के जवाब मिलाने लगा तो कोई कठिन सवालों पर चर्चा करता नजर आया। किसी ने प्रश्नपत्र को उम्मीद से बेहतर बताया तो किसी ने सामान्य ज्ञान के सवालों को उलझाने वाला बताया। सेठ बीएन पोद्दार सहित अन्य परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थी अपने-अपने अनुभव साझा करते



बेल्ट, घड़ी और इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जाने पर रही रोक

यूनिक समय, मथुरा। पीईटी की परीक्षा के दौरान केंद्रों पर सुरक्षा और नियमों का विशेष ध्यान रखा गया। परीक्षार्थियों को बेल्ट, घड़ी और इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर परीक्षा कक्ष में जाने की अनुमति नहीं थी। केंद्रों पर पहुंचने वाले अभ्यर्थियों की जांच के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दिया गया। परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों को प्रवेश के समय निर्धारित नियमों का पालन करना पड़ा। साथ गले में चैन, मंगलसूत्र भी महिलाओं के गले से उतरवा दिए। प्रवेश के दौरान कर्मचारियों ने नियमों के अनुसार जांच की। जिन अभ्यर्थियों के पास प्रतिबंधित सामान था, उन्हें उसे परीक्षा कक्ष के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके चलते अभ्यर्थी प्रवेश से पहले अपने सामान को लेकर भी सतर्क नजर आए। परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारी सक्रिय रहे। हाथ में बंधे कलावे भी काटे गए।

दिखाई दिए।

कानपुर से आए अमन कुमार ने बताया कि पेपर के बाकी सवाल तो ठीक थे, लेकिन सामान्य ज्ञान के प्रश्नों ने काफी परेशान किया। उन्होंने कहा कि दूसरे सवाल हल करने में ज्यादा

दिक्कत नहीं हुई, लेकिन जीके के कुछ प्रश्न कठिन लगे। अगर सामान्य ज्ञान के सवाल थोड़े आसान होते तो पेपर और अच्छा हो सकता था। झांसी से आए प्रिंस राजा यादव ने बताया कि उनका पेपर ठीक हुआ, लेकिन प्रश्नपत्र



पेपर देकर केंद्र से हाथ में बेल्ट लेकर निकला परीक्षार्थी

वैसा नहीं था, जैसी उन्होंने उम्मीद की थी। कुछ सवालों को समझने और उनके सही जवाब चुनने में समय लगा। उन्होंने कहा कि पेपर पूरी तरह कठिन नहीं था, लेकिन कुछ प्रश्नों ने उलझन में जरूर डाला। मैनपुरी से परीक्षा देने आई अनिका के चेहरे पर खुशी नजर आई। उन्होंने बताया कि पेपर उनकी उम्मीद से भी अच्छा हुआ। सवाल हल करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई और परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बना रहा। अनिका ने कहा कि उनकी तैयारी अच्छी थी और परीक्षा में इसका फायदा मिला। बेवर से आई प्रज्ञा सिंह ने बताया कि शुरुआत में प्रश्नपत्र देखकर उन्हें लगा कि पेपर कठिन है, लेकिन सवालों को ध्यान से पढ़ने पर स्थिति आसान होती गई। उन्होंने कहा कि पहले कुछ प्रश्न मुश्किल लगे, मगर धैर्य से हल करने पर पेपर अच्छा लगा।

पीईटी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे डीएम सीसीटीवी से परखी व्यवस्था



सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में सीसीटी कैमरा चेक करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रविवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शुरू हुई। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क रहा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज स्थित केंद्र पर पहुंचकर सीसीटीवी कंट्रोल रूम से परीक्षा कक्षों की निगरानी व्यवस्था देखी।

डीएम ने कैमरों के माध्यम से परीक्षा कक्षों की स्थिति का जायजा लिया और परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने श्री चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश

नकलविहीन परीक्षा के लिए सख्ती, केंद्र व्यवस्थापकों को नियमों का पालन कराने के निर्देश

दिए कि परीक्षा के दौरान आयोग के निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को सफुल, निर्विघ्न और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए। केंद्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। परीक्षा की निगरानी में सतर्कता बरतने के साथ नकल रोकने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए।

रविवार को छटीकरा मार्ग पर जाम, सुबह से रेंगते रहे वाहन



वृंदावन-छटीकरा मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, वृंदावन। रविवार की छुट्टी और शरद पूर्णिमा पर ठाकुर बांके बिहारी मंदिर सहित वृंदावन के अन्य मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़ का असर छटीकरा मार्ग पर दिखाई दिया। सुबह से ही वाहनों का दबाव बढ़ने लगा और देखते ही देखते सड़क पर जाम के हालात बन गए। प्रमुख मार्ग पर वाहन रेंगते नजर आए। जाम में फंसे वाहन चालकों और श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। छटीकरा मार्ग वृंदावन को जोड़ने वाले प्रमुख रास्तों में शामिल है। रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु निजी कारों, दोपहिया वाहनों और अन्य साधनों से वृंदावन पहुंचे। वाहनों की बढ़ती संख्या के चलते सड़क पर आवागमन की रफ्तार धीमी पड़ गई। कई स्थानों पर वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहे, जिससे लोगों को रास्ता पार करने में अतिरिक्त समय लगा। धार्मिक नगरी में दर्शन के

शरद पूर्णिमा पर बिगड़ी यातायात व्यवस्था राहगीर और स्थानीय लोग परेशान

लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों को भी जाम के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। जरूरी काम से निकलने वाले लोगों और अपने गंतव्य की ओर जा रहे वाहन चालकों की राह भी बाधित हुई। छुट्टी और पर्व के चलते बड़े यातायात दबाव ने मार्ग पर आवागमन को प्रभावित किया। वृंदावन में धार्मिक पर्वों और सप्ताहांत पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से यातायात संभालना पुलिस-प्रशासन के लिए चुनौती बन जाता है। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर यातायात कर्मियों की प्रभावी तैनाती, वाहनों के संचालन की बेहतर योजना और जाम की स्थिति में त्वरित कार्रवाई जरूरी है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण समाज के कार्यालय का उद्घाटन 28 को

यूनिक समय, वृंदावन। राधा फौरेस्ट के बराबर स्थित राधा सौंदर्य में 28 अक्टूबर को अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण समाज के कार्यालय का उद्घाटन होगा। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाथ त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि के रूप में आगम के पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

अलग अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। मगोरा क्षेत्र में टैकर की टक्कर से स्कूटी सवार और शेरगढ़ थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई।

हाइवे थाना क्षेत्र के गांव बिरजापुर निवासी 50 वर्षीय मदन पुत्र अतर सिंह शनिवार की शाम को

स्कूटी पर सवार होकर भरतपुर से वापस आ रहे थे। मगोरा थाना क्षेत्र में छोटी कोसी के निकट तेज गति से आ रहे टैकर के चालक ने गाड़ी तेजी-लापरवाही से चलाकर स्कूटी को टक्कर मार दी। मदन की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची मगोरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी घटना शेरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित नंगला भरी

और काजरोट के बीच स्याहारा रोड पर शनिवार की शाम अज्ञात वाहन चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 28 वर्षीय गुड्डू पुत्र धारा सिंह निवासी ग्राम खोकिया थाना मुरसान जिला हाथरस की मौके पर ही मौत हो गई। शेरगढ़ पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीईटी परीक्षा को लेकर जंक्शन पर रही कड़ी सुरक्षा



रविवार को जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पीईटी परीक्षा को लेकर टीम के साथ चेकिंग करते जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। पीईटी परीक्षा को लेकर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। परीक्षा समाप्त होने के पूर्व जीआरपी और आरपीएफ ने सभी प्लेटफार्मों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। परीक्षा समाप्त होने के बाद दोपहर को परीक्षार्थियों की भीड़ जंक्शन पहुंची।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म संख्या एक पर सहायता बूथ बनाया गया था। इसके अलावा जंक्शन की मुख्य एंट्री के अंडरपास से पहले रेलवे प्रशिक्षण इंस्टीट्यूट के पास भी हैल्पडेक्स खोली गई थी। जिस पर परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी

पीईटी अभ्यर्थियों की सुविधा को रोडवेज ने बढ़ाई 40 बसें

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के लिए रोडवेज ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की। आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने को देखते हुए रोजाना संचालित बसों के अलावा करीब 40 से 50 अतिरिक्त बसें चलाई गईं। अधिक परीक्षार्थियों वाले मार्गों पर जरूरत के अनुसार बसें बढ़ाई गईं, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक

पहुंचने में परेशानी न हो।

परीक्षा के चलते सुबह से ही बसों में परीक्षार्थियों की आवाजाही बनी रही।

दूर-दराज के क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों ने रोडवेज बसों के जरिए अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने का प्रयास किया। रोडवेज की अतिरिक्त व्यवस्था से परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को आवागमन में सहूलियत मिली।

उपलब्ध कराई जा रही थी। आरपीएफ और रेलवे वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों को सुरक्षित स्पेशल ट्रेनों में सवार कराया।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि

जंक्शन के सभी प्लेटफार्मों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया गया। भीड़ नियंत्रण के लिए परीक्षार्थियों को लगातार सचेत किया गया। साथ ही संदिग्धों व्यक्तियों और सामान की तलाशी ली।

हाईवे पर 250 किलो गांजे की खेप पकड़ी, तीन तरस्कर दबोचे

यूनिक समय, रिफाइनरी। रविवार को हाईवे पर कंटेनर दौड़ रहा था और उसके भीतर नशे की बड़ी खेप छिपी थी। मंजिल यूपी-हरियाणा बॉर्डर थी, जहां गांजा शमशेर नामक व्यक्ति को सौंपा जाना था। लेकिन इससे पहले ही एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) आगरा यूनिट और रिफाइनरी पुलिस ने तरस्करों की योजना पर पानी फेर दिया। संयुक्त टीम ने हाईवे पर कंटेनर रोककर तलाशी ली तो उसमें से 250 किलो गांजा बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत कई लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कंटेनर, मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की है।

नशीले पदार्थों की तरस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर थाना रिफाइनरी क्षेत्र में घेराबंदी की। इसी दौरान हरियाणा नंबर के एक कंटेनर को रोककर तलाशी ली



पकड़े गए गांजे और तरस्करों के साथ सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी और नारकोटिक्स फोर्स के कर्मचारी आदि।

ब्रह्मपुर से रायगढ़ तक जुटाई गांजे की खेप

पुलिस पूछताछ में सतीश कुमार ने बताया कि वह 17 अक्टूबर को अपने साथियों के साथ खाली कंटेनर लेकर ओडिशा के ब्रह्मपुर पहुंचा था। वहां परिचित जितेंद्र से संपर्क करने के बाद रायगढ़ में कंटेनर में गांजा लोड किया गया। इसके बाद खेप को लेकर वे यूपी-हरियाणा बॉर्डर की ओर खाना हुए। वहां शमशेर नामक व्यक्ति को गांजे की सप्लाई देनी थी, लेकिन रास्ते में ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

गई। तलाशी में गांजे की बड़ी खेप मिलने पर पुलिस ने कंटेनर सवार तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतीश कुमार पुत्र पदम सिंह, नासिर पुत्र

वसीर और आशिफ पुत्र अब्दुल करीम के रूप में हुई है। तीनों हरियाणा के जिला नूंह (मेवात) स्थित थाना पिनगवां क्षेत्र के निवासी हैं। सतीश कुमार और आशिफ गांव मोहम्मदपुर,

कंटेनर में छिपाकर ला रहे थे गांजा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कई लाख रुपये

ओडिशा से हरियाणा बॉर्डर तक फैला था तरस्करी का नेटवर्क शमशेर को देनी थी खेप

जबकि नासिर गांव शहजादपुर का रहने वाला है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अब पुलिस गांजे की खरीद, सप्लाई और तरस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मामले में पूछताछ के आधार पर नेटवर्क की अन्य कड़ियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

डोला में निकली मां पथवारी, पदयात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब



कंधों पर पालकी में विराजमान मां पथवारी को लेकर जाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, कोसीकलां। जब-जब मां पथवारी का डोला सजता है, तब-तब पूरा कोसीकलां भक्ति में डूब जाता है। रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब मां पथवारी देवी पदयात्रा समिति की 19वीं वार्षिक पदयात्रा धूमधाम से निकाली गई। सुबह छह बजे जैसे ही तालाब शाही स्थित पथवारी देवी मंदिर से मां का सजा-धजा डोला बाहर आया, हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ जय माता दी का ऐसा जयघोष किया कि पूरा नगर गूंज उठा। लाल चुनरी में सजी, फूलों से सुसज्जित डोले में विराजमान मां के दर्शन कर श्रद्धालु निहाल हो गए।

तालाब शाही से शुरू हुई यह दिव्य पदयात्रा बलदेवगंज, घंटाघर, पंजाबी बाजार, भगवती मंदिर होते हुए बटेन गेट से सांचौली धाम के लिए खाना हुई। पूरे

रास्ते में श्रद्धालुओं ने फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और आरती उतार कर मां का स्वागत किया। डीजे पर बजते माता के भजनों पर युवा झूमते-नाचते चल रहे थे, तो बुजुर्ग हाथ जोड़कर आशीर्वाद ले रहे थे। यह पदयात्रा राहुल सक्सेना, बिहारी लाल गोयल, संजय जयसवाल और सौरभ बिछौरिया के निर्देशन में निकाली गई। इस दौरान नगर ही नहीं, आसपास के गांवों से भी सैकड़ों पदयात्री नंगे पांव मां के साथ चल पड़े। पदयात्रा का नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, भाजपा नेता तरुण सेठ, कन्हैयालाल गोयल, भगवत मैथिल, नरेश कुमार, भोला उन्दी वाले, महेश अग्रवाल, अंकित गुप्ता, पंकज विशंभरिया, कन्हैया मंगला, दाऊदयाल अग्रवाल सहित सैकड़ों गणमान्य लोगों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

वैदिक ऋचाओं से गूंजी धर्मशाला, 21 कुंडों से उठी सुख-समृद्धि की लपटें

यूनिक समय, कोसीकलां। रविवार को कोसीकलां की आर्य समाज धर्मशाला का नजारा देखते ही बन रहा था। 21 कुंडों से उठती अग्नि की लपटें, वेद मंत्रों की गूंज और 84 यजमान दंपतियों के एक साथ स्वाहा-स्वाहा के उद्घोष ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। मौका था आर्य समाज के 88वें वार्षिकोत्सव के समापन पर आयोजित 21 कुंडीय सुख-समृद्धि महायज्ञ का।

चार दिवसीय वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन ब्रह्मा आनंद पुरुषार्थी के ब्रह्मत्व और आचार्य संजय याज्ञिक के आचार्यत्व में 21 वेदियों पर 84 यजमान दंपति एक साथ बैठे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जब सभी ने एक साथ आहुति दी तो पूरा पंडाल ओम शांति के उद्घोष से गूंज उठा। यजमानों ने नगर, प्रदेश, देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में शांति, सुख और समृद्धि की कामना के साथ हवन किया। यज्ञ के दौरान आचार्य संजय याज्ञिक ने कहा कि आर्य वही है जिसमें आठ गुण

संतोष, संयम, सत्य आचरण, जितेंद्रिय, दानी, विनम्रता, परोपकार और ईश्वर में आस्था हो। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्य बताते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया प्रदूषण से जूझ रही है, लेकिन हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले ही इसका समाधान दे दिया था। यज्ञ से वायु शुद्ध होती है, एक तोला गाय के घी से एक टन वायु शुद्ध हो जाती है, वायु शुद्ध होगी तो जल शुद्ध होगा और जल शुद्ध होगा तो हमारा जीवन शुद्ध होगा। यज्ञ करना सबसे बड़ा उपकार है।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने यज्ञ में आहुति देकर सर्वमंगल की कामना की। उन्होंने कहा कि आर्य समाज सनातन संस्कृति की रीढ़ है और ऐसे आयोजन समाज को सही दिशा देते हैं। अंत में आर्य समाज के संरक्षक ओमप्रकाश आर्य, प्रधान डॉ. प्रकाश आर्य, सुरेंद्र आर्य, नरेंद्र आर्य, शरद आर्य गिड़ोहिया ने कैबिनेट मंत्री को दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सूर्य भानु प्रताप पांडे को मिली मथुरा की कमान

अपराध निरोधक समिति ने जताया भरोसा

यूनिक समय, कोसीकलां। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति ने मथुरा जनपद में संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। समिति के लखनऊ स्थित मुख्यालय पर चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव ने मथुरा के समाजसेवी सूर्य भानु प्रताप पांडे को जनपद मथुरा का दायित्व सौंपा है।

सूर्य भानु प्रताप पांडे ने लखनऊ पहुंचकर चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान चेयरमैन ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया। चेयरमैन ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य सिर्फ अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि समाज में सुधार लाना है। उन्होंने पांडे को निर्देश दिए कि समिति के उद्देश्यों को गांव-गांव, जन-जन तक पहुंचाएं।



सूर्य भानु प्रताप पांडे को उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव नियुक्ति पत्र देते हुए।

अपराध निरोध के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाएं। जेल में बंद बंदियों के पुनर्वासन के लिए कार्य करें ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। इस अवसर पर चेयरमैन ने विश्वास जताया कि सूर्य भानु प्रताप पांडे के नेतृत्व में मथुरा में समिति की गतिविधियों को नई ऊर्जा और नई गति मिलेगी। उनके अनुभव से समाजहित और जनसेवा के कार्य और अधिक प्रभावी होंगे।

नगाड़े की थाप पर महफिल बांधते हैं नौटंकी के जादूगर

यूनिक समय, कोसीकलां। न आधुनिक लाउडस्पीकर की चकाचौंध, न महंगे थिएटर के परदे। सिर्फ नगाड़े की थाप, बुलंद आवाज और दमदार अभिनय से दर्शकों को बांधे रखने की कला। ब्रज की नौटंकी और भगत संगीत की यही खासियत शनिवार रात सब्जी मंडी में आयोजित भगत संगीत कार्यक्रम में देखने को मिली। ब्रजमंडल क्लब के कलाकारों ने मंच संभाला तो तालियों की गूंज से माहौल गुंजायमान हो उठा।

मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय और विशिष्ट अतिथि पवन नम्बरदार ने कलाकारों की कला को नमन किया।

उन्होंने कहा कि ये लोककलाकार रात के सन्नाटे में भी सुरों की ऐसी महफिल सजाते हैं कि दर्शक सुबह की किरण तक मंत्रमुग्ध रहते हैं। नगाड़े की थाप और कलाकारों की तान



पवन लंबरदार को सम्मानित करते ब्रजमंडल क्लब के आयोजक।

इतिहास के पन्नों को जीवंत कर देती है। राजा हरिश्चंद्र का सत्य, अमर सिंह राठौर का शौर्य और हीर-रांझा, लैला-मजनू का अमर प्रेम इनके अभिनय में साकार हो उठता है।

पवन नम्बरदार ने कहा कि भगत की आध्यात्मिक परंपरा और नौटंकी के चुटीले संवादों का संगम बेमिसाल

है। ये कलाकार केवल अभिनय नहीं करते, बल्कि पीढ़ियों से लोकसंस्कृति की अनमोल विरासत को सहेज रहे हैं। डिजिटल दौर में भी उनकी कला परंपरा की जीवंतता का अहसास कराती है।

कार्यक्रम में चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, तरुण सेठ, राजू जायसवाल, देशबंधु अग्रवाल, अजय वाष्णीय,

भगत संगीत में जीवंत हुई ब्रज की लोक संस्कृति कलाकारों की बुलंद आवाज ने बांधा समां

डिजिटल दौर में लोककलाकारों की साधना और परंपरा को किया नमन

सौरभ जैन, दीपक बड़गुजर, हुकमचंद अग्रवाल और सतीश बाल्मीकि मौजूद रहे। ब्रजमंडल क्लब के दिनेश कुमार जैन, मुकेश पंडित, सुरेंद्र चौधरी, मोहन शास्त्री और विनय उपाध्याय ने अतिथियों का फूल-मालाओं और दुपट्टे से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए।

घोष की स्वर-लहरियों से गूंजी गिरिराज परिक्रमा



घोष के साथ परिक्रमा में चलते स्वयं सेवक।

यूनिक समय, गोवर्धन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के समापन पर ब्रज प्रांत के स्वयंसेवकों ने घोष के विविध वाद्य यंत्रों के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा की। घोष की मधुर स्वरलहरियों से परिक्रमा मार्ग गुंजायमान हो उठा। इस संगीतमय आयोजन में 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने सहभागिता कर श्रद्धा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प का परिचय दिया।

परिक्रमा समापन पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए ब्रज प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र ने कहा कि स्वयंसेवक विषम परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का मार्ग बनाता है। गिरिराजजी की परिक्रमा श्रद्धा और संकल्प का विषय है, लेकिन वाद्य यंत्रों के साथ निरंतर घोष वादन करते हुए इसे पूरा करना शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और सामूहिक अनुशासन की कठिन परीक्षा है। विभाग प्रचार प्रमुख डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की यात्रा संघर्ष, साधना, संगठन और राष्ट्रसेवा की साक्षी रही है। प्रांत के शारीरिक शिक्षण प्रमुख महावीर ने बताया कि शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वयंसेवकों की गुणवत्ता और कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ समाज जागरण, सामाजिक समरसता और

विषम परिस्थितियों में भी धैर्य के साथ मार्ग बनाता है स्वयंसेवक : धर्मेंद्र

विभिन्न वर्गों के बीच आत्मीयता को मजबूत करना था।

श्रीजी की हवेली के निकट परिक्रमा मार्ग पर श्रीजी बाबा परिवार के स्वयंसेवक रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि शरद पूर्णिमा भारतीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा में विशेष महत्व रखती है। महानगर कार्यवाह विजय बंडा ने बताया कि सेना और पुलिस में बैड की परंपरा की तरह संघ में वाद्य यंत्रों के सामूहिक-अनुशासित वादन को 'घोष' कहा जाता है। दानघाटी से शुरू हुआ घोष संचलन निर्धारित मार्ग से होते हुए गिरिराज महाराज की परिक्रमा के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख नरेश विकल, सह प्रांत प्रचारक विनोद, घोष प्रमुख ललित, प्रांत शारीरिक सह प्रमुख-प्रचारक रामशंकर, विभाग कार्यवाह डॉ. संजय, शारीरिक प्रमुख शिवकुमार, जिला प्रचार प्रमुख हीरालाल, सह प्रचार प्रमुख पवन कुंतल, श्याम बाबू कौशिक, चंद्रपाल सिंह, राजू यादव, ज्ञानेंद्र राणा, श्याम उपाध्याय, भानु शर्मा, भूरा पहलवान और राजेश पचौरी सहित आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सुविचार



मंदिर-मस्जिद
बाद में जाना, पहले
भूखे इंसान को
भोजन कराना
सीखो।

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	11:56-09:41 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	08:32-07:22 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:26 AM	चन्द्रोदय	05:39 PM
सूर्यास्त		5:41 PM	चंद्रास्त	06:19 AM
सूर्य राशि	तुला राशि		चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:41AM-12:26 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:44-05:35
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:50 AM- 09:15 AM		वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री
राधा कृष्ण की सभी लीलाओं
के दर्शन यूनिक समय चैनल
के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

ब्रजरज उत्सव में खादी के रंग, स्वदेशी उत्पाद खींच रहे हैं लोगों का ध्यान



रेलवे ग्राउंड पर चल रहे ब्रज रज उत्सव में खादी की दुकानों का अवलोकन करते हुए कैबिनेट मंत्री वी. लक्ष्मी नारायण, सांसद हेमा मालिनी, परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन और गणमान्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में रेलवे ग्राउंड पर चल रहे ब्रजरज उत्सव में खादी और स्वदेशी उत्पादों की छटा लोगों को आकर्षित कर रही है। उत्सव में उत्तर प्रदेश खादी-ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से लगाई गई दुकानों का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और सांसद हेमा

मालिनी, तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने किया। अतिथियों ने खादी ग्रामोद्योग की स्टॉलों का अवलोकन किया और वहां उपलब्ध उत्पादों की जानकारी ली। मेले में खादी के वस्त्रों और स्वदेशी सामान की मौजूदगी लोगों को अपनी ओर खींच

रही है।

खादी ग्रामोद्योग की स्टॉलों के अवलोकन के दौरान राजीव त्यागी, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय और जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार ने अतिथियों का स्वागत चरखा और स्वदेशी उत्पादों से किया। जिला खादी ग्राम अधिकारी ने बताया

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और सांसद हेमा मालिनी ने किया खादी ग्रामोद्योग की दुकानों का उद्घाटन

कि ब्रजरज उत्सव में खादी की दुकानों के माध्यम से पारंपरिक वस्त्रों और स्वदेशी उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मेले में आने वाले लोग खादी के कपड़ों और अन्य सामान को देख रहे हैं। उत्सव में खादी की उपस्थिति से स्थानीय कारीगरों और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। खादी के वस्त्र अपनी सादगी और पारंपरिक पहचान के चलते लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ब्रज की सांस्कृतिक पहचान के बीच आयोजित इस उत्सव में खादी ग्रामोद्योग की स्टॉलें स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रही हैं। कार्यक्रम में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग आदि मौजूद रहे।



वृंदावन के स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में मेरे कृष्ण मंचन के दौरान महाभारत की प्रस्तुति देते कलाकार।

सौरभ राज जैन के 'मेरे कृष्ण' ने वृंदावन में बांधा समां

20 दृश्यों में साकार हुई
श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं
से महाभारत तक की गाथा

130 से अधिक कलाकारों
के अभिनय, भव्य मंच सज्जा
और संगीत ने दर्शकों को
किया मंत्रमुग्ध

यूनिक समय, वृंदावन। बाल लीलाओं से लेकर महाभारत के रणक्षेत्र में गीता का उपदेश देने तक भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध रूप रविवार को स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में जीवंत हो उठे। ब्रजरज उत्सव के मंच पर अभिनेता सौरभ राज जैन की नाट्य प्रस्तुति 'मेरे कृष्ण' ने दर्शकों को भक्ति और भावनाओं के संसार में पहुंचा दिया। करीब 20 दृश्यों में प्रस्तुत श्रीकृष्ण की जीवन गाथा पर दर्शक भावविभोर नजर आए।



उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस प्रस्तुति में श्रीकृष्ण के जीवन के प्रमुख प्रसंगों को संगीत, अभिनय और आधुनिक रंगमंचीय तकनीक के साथ मंचित किया गया। धारावाहिक 'महाभारत'

सोमवार की प्रस्तुतियां

2:30 बजे हकीम सिंह लोकगीत गायन
धौली प्याऊ रेलवे मैदान मथुरा

दोपहर 3:30 बजे गंगा रानी चतुर्वेदी
लोक तान धौलीप्याऊ रेलवे मैदान मथुरा

दोपहर 4:30 बजे सरिता यादव कथक
व लोक नृत्य धौली प्याऊ रेलवे मैदान
मथुरा

दोपहर 5:30 बजे दानी शर्मा ब्रज लोक
नृत्य-चरकुला, धौली प्याऊ रेलवे मैदान
मथुरा

शाम छह बजे रासलीला गीता शोध
संस्थान द्वारा स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह
वृंदावन

में श्रीकृष्ण की भूमिका से घर-घर पहचान बनाने वाले सौरभ राज जैन ने मंच पर एक बार फिर कृष्ण के स्वरूप को सजीव किया। उनके अभिनय ने प्रस्तुति के धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को प्रभावशाली बनाया। 130 से अधिक कलाकारों और

तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों और महाभारत से जुड़ी घटनाओं को मंच पर उतारा। भव्य मंच सज्जा, विशेष प्रकाश व्यवस्था, मनमोहक संगीत और सधे हुए दृश्य संयोजन ने हर प्रसंग को प्रभावी बनाया। कलाकारों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति और संगीत-प्रकाश के तालमेल ने दर्शकों को प्रस्तुति से बांधे रखा।

प्रस्तुति में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका सौरभ राज जैन ने निभाई। पूजा शर्मा ने महामाया और श्रीराधा के रूप में अभिनय किया, जबकि अर्पित रांका ने कंस और दुर्योधन की दोहरी भूमिका निभाई। अलग-अलग पात्रों के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन, उनके संघर्षों और संदेश को मंच पर अभिव्यक्त किया गया। भक्ति, अभिनय और तकनीकी भव्यता के संगम से सजी इस प्रस्तुति में ब्रज की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली।

रसोई के इन तीन डिब्बों से जुड़ा है मां लक्ष्मी का आशीर्वाद



यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में रसोई को घर का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। यहां तैयार भोजन परिवार को पोषण देने के साथ आपसी प्रेम और सद्भाव का प्रतीक भी है। वास्तु शास्त्र में नमक, हल्दी और चावल को शुभ माना गया है। मान्यता है कि इन वस्तुओं को व्यवस्थित ढंग से रखने से घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, नमक को पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसे साफ और सूखे कांच के पात्र में रखा जा सकता है। हल्दी को उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखने की परंपरा बताई जाती है। हल्दी को बृहस्पति ग्रह और शुभता से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, इन दिशाओं से आर्थिक समृद्धि या ग्रह दोष पर प्रभाव पड़ने के वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। वास्तु के अनुसार, चावल और

सही दिशा में सामग्री रखने की परंपरा, सुख समृद्धि से जुड़ी मान्यता शाम को दान से जुड़ी है मान्यताएं, स्वच्छता का रखें ध्यान

अन्य अनाज को पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे घर में अन्न-धन की बरकत बनी रहती है। सूर्यास्त के बाद नमक, हल्दी और चावल देने से बचने की परंपरा भी कुछ परिवारों में प्रचलित है।

व्यावहारिक रूप से इन खाद्य सामग्रियों को साफ, सूखे और ढक्कनदार डिब्बों में रखना जरूरी है। इन्हें नमी और कीड़ों से बचाएं तथा जरूरत के अनुसार समय पर भरते रहें। वास्तु संबंधी मान्यताएं व्यक्तिगत आस्था का विषय हैं, जबकि रसोई की स्वच्छता और खाद्य पदार्थों का सही भंडारण परिवार के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

ब्रज रस के भजनों से झूम उठा ब्रजरज उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव के तीसरे दिन रविवार को धौली प्याऊ रेलवे मैदान भक्ति संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठा। रसिक वैष्णव के 'ब्रज रस' भजन कॉन्सर्ट ने श्रोताओं को राधा-कृष्ण की प्रेममयी लीलाओं और ब्रज की आध्यात्मिक परंपरा से जोड़ दिया। मधुर भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित उत्सव में रसिक वैष्णव की प्रस्तुति प्रमुख आकर्षण रही। उनके भजनों

ने पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना दिया। कार्यक्रम में ब्रज की प्रसिद्ध कलाकार वंदना श्री ने शास्त्रीय नृत्य और पारंपरिक भजनों से दर्शकों का मन मोहा। रीना शर्मा ने नृत्य एवं गायन, जबकि मोहनी कृष्ण दासी ने भजनों से समां बांधा। गिरधर गोपाल शर्मा ने लोकनृत्य और गायन के माध्यम से ब्रज की लोक संस्कृति प्रस्तुत की। प्रशांत चतुर्वेदी की सूफी गायकी ने भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मेले में देर रात तक उत्साह और रौनक बनी रही।

सम्पादकीय

नजरिया

सुविधाओं के महल में मेहनत का पाठ भूलते बच्चे

आजकल बच्चों को हर सुविधा देने की होड़ लगी है। सुबह बिस्तर से उठाने के लिए आवाज लगाइए, स्कूल का बस्ता तैयार रखिए, खाना मेज पर सजाइए और कमरे की सफाई भी किसी दूसरे से कराइए। बच्चा मोबाइल मांगे तो मोबाइल हाजिर, महंगा खिलौना मांगे तो खिलौना हाजिर। बस, बच्चा खुश और माता-पिता अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सुविधाओं से भरा बचपन जीवन की हर परीक्षा में सफल होना भी सिखा देता है?

चीन में बच्चों को खेती, पशुपालन, खाना बनाने और सफाई जैसे काम सिखाने वाले कठिन जीवन-अनुभव शिविर चर्चा में हैं। वहां बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर श्रम का महत्व समझाने का प्रयास किया जाता है। माता-पिता इसके लिए मोटी रकम तक खर्च करते हैं। विडंबना देखिए, जिन कामों को हमारे दादा-दादी घर में मुफ्त में सिखा देते थे, आज उन्हीं का पाठ पढ़ने के लिए अभिभावक हजारों रुपये खर्च करने को तैयार हैं!

हमारे यहां भी कई घरों में बच्चे पानी का गिलास उठाने से पहले आवाज लगाते हैं। जूते कहां रखे हैं, इसकी जानकारी नहीं; लेकिन मोबाइल का आवरण कहां रखा है, यह अच्छी तरह मालूम है। अपना कमरा बिखरा रहे तो कोई चिंता नहीं, इंटरनेट धीमा हो जाए तो तुरंत शिकायत! आखिर यह कैसी शिक्षा है, जिसमें अंकों की चिंता तो है, लेकिन आत्मनिर्भर बनने की तैयारी नहीं?

बच्चों को मेहनत सिखाने का अर्थ उनसे जबर्न कठिन काम कराना या उन्हें पेशान करना नहीं है। असली शिक्षा तो रोजमर्रा की छोटी जिम्मेदारियों से शुरू होती है। अपना बिस्तर ठीक करना, पौधों को पानी देना, भोजन के बाद अपनी थाली रखना, घर के छोटे कामों में हाथ बंटाना और जरूरतमंदों की सहायता करना ऐसे अभ्यास हैं, जो जिम्मेदारी का भाव जगाते हैं। माता-पिता को भी समझना होगा कि बच्चों के लिए हर रास्ता आसान बना देना प्रेम नहीं, कभी-कभी उनकी क्षमता सीमित करना भी है। बच्चा गलती करेगा, काम बिगाड़ेगा और फिर सीखेगा। हर बार उसकी जगह काम कर देना उसे असफलता से लड़ना नहीं, उससे बचना सिखाता है। विद्यालयों में भी श्रमदान, बागवानी, सामूहिक कार्य और सामाजिक सेवा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझना होगा कि किसान की मेहनत से भोजन, मजदूर के परिश्रम से मकान और सफाईकर्मी के काम से स्वच्छता मिलती है। सार यही है कि बच्चों को सुख-सुविधाएं दीजिए, लेकिन मेहनत से दूर मत रखिए। क्योंकि माता-पिता की सबसे बड़ी सफलता ऐसा बच्चा तैयार करना है, जो सुविधाएं मिलने पर उनका सम्मान करे और मुश्किल आने पर अपने पैरों पर खड़ा होना भी जानता हो।

यूरोप की सड़कों पर गुर्रसा, सत्ता और व्यवस्था की अग्निपरीक्षा

कमलेश पांडेय

यूरोप में सुलगते असंतोष की कहानी केवल दंगों की नहीं, लोकतंत्र के भीतर बढ़ती बेचैनी की भी है। जब जनता की शिकायतें अनसुनी रह जाती हैं, युवाओं को भविष्य धुंधला दिखाई देता है और व्यवस्था भरोसा खोने लगती है, तब सड़कों पर गुस्सा उतरता है। लेकिन सवाल यह भी है कि विरोध के नाम पर आगजनी, लूटपाट और हिंसा को आखिर कितनी देर तक बर्दाश्त किया जा सकता है? फ्रांस और दूसरे यूरोपीय देशों की घटनाएं इसी दोहरी चुनौती को सामने रखती हैं। एक तरफ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, दूसरी तरफ कानून तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई। इन दोनों के बीच संतुलन बिगड़ता है तो लोकतंत्र की परीक्षा शुरू हो जाती है।

किसी भी देश में जनता अचानक सड़कों पर नहीं उतरती। नाराजगी के पीछे अक्सर ऐसी शिकायतें होती हैं, जो लंबे समय तक जमा होती रहती हैं। महंगाई बढ़ती है, किराया जेब पर भारी पड़ता है, रोजगार की संभावनाएं सीमित होती हैं और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता गिरती है, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। फ्रांस में शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों और जीवनयापन की बढ़ती लागत को लेकर उठे सवाल इसी व्यापक बहस से जुड़े हैं। हालांकि, अक्टूबर 2026 की घटनाओं और उनके विस्तार के बारे में सामने आने वाले दावों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है।

यूरोप की विडंबना यह है कि विकसित अर्थव्यवस्था और मजबूत संस्थाओं के बावजूद सामाजिक असंतोष समाप्त नहीं हुआ। स्पेन और पुर्तगाल जैसे देशों में आवास की बढ़ती कीमतें युवाओं के लिए स्वतंत्र जीवन शुरू करना कठिन बनाती हैं। इटली में वेतन, महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं को लेकर असंतोष राजनीतिक बहस का हिस्सा रहा है। हर देश की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन एक सवाल सबके सामने है—क्या आर्थिक विकास का लाभ आम आदमी तक पर्याप्त रूप से पहुंच रहा है?

सरकारें आंकड़ों में विकास दिखा सकती हैं, लेकिन नागरिक अपनी जिंदगी में राहत तलाशते हैं। जब वेतन से घर चलाना मुश्किल हो, किराया लगातार बढ़ रहा हो और भविष्य की योजनाएं अनिश्चित हों, तब सरकारी उपलब्धियों के दावे लोगों को संतुष्ट नहीं कर पाते। यही वह बिंदु है जहां आर्थिक पेशानी राजनीतिक नाराजगी में बदलने लगती है। लोकतंत्र में विरोध करना नागरिक का अधिकार है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, रैली निकालना और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाना किसी भी जीवंत



लोकतंत्र की पहचान है। लेकिन इसी अधिकार की आड़ में दुकानों को लूटना, सार्वजनिक संपत्ति जलाना, पुलिस पर हमला करना या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह अंतर समझना इसलिए जरूरी है, क्योंकि शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक उपद्रव को एक ही तराजू पर तौलना खतरनाक है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और कुछ लोगों की हिंसा के लिए पूरे समुदाय को जिम्मेदार नहीं बनाया जा सकता। दूसरी ओर, आंदोलन के नाम पर अपराध करने वालों को केवल इसलिए छूट भी नहीं मिलनी चाहिए कि वे किसी बड़े प्रदर्शन का हिस्सा थे। यही सरकार और प्रशासन की असली जिम्मेदारी सामने आती है। उन्हें शिकायतों को सुनना भी है और कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी करनी है। यदि प्रशासन केवल प्रदर्शन को दबाने में जुट जाए, तो असंतोष और गहरा सकता है। यदि वह हिंसा रोकने में ढिलाई बरते, तो उपद्रवियों के हौसले बढ़ सकते हैं। दोनों स्थितियां लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह हैं।

हिंसक भीड़ के सामने पुलिस की चुनौती केवल बल प्रयोग की नहीं होती। उसे कुछ ही क्षणों में तय करना पड़ता है कि कहां संवाद किया जाए, कहां अतिरिक्त बल बुलाया जाए और कहां हिंसा करने वालों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। भीड़ में शांतिपूर्ण नागरिकों, पत्रकारों, दुकानदारों और हिंसक तत्वों की मौजूदगी इस काम को और कठिन बना देती है। यदि खुफिया तंत्र भीड़ के आकार का सही अनुमान नहीं लगा पाता, तो सुरक्षा इंतजाम कमजोर पड़ सकते हैं। कई शहरों में एक साथ अशांति फैलने पर पुलिस बल और संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। लगातार ड्यूटी, स्थानीय इकाइयों के बीच समन्वय की कमी और घटनास्थल पर बदलती परिस्थितियां भी कार्रवाई को प्रभावित करती हैं।

लेकिन इन कठिनाइयों का अर्थ यह नहीं कि पुलिस की हर चूक को परिस्थितियों के नाम पर माफ कर दिया जाए। पुलिस को प्रशिक्षित होना चाहिए, उसकी कमान स्पष्ट होनी चाहिए और बल प्रयोग कानून के अनुरूप आवश्यक तथा आनुपातिक होना चाहिए। अनुचित कार्रवाई की निष्पक्ष

जांच भी होनी चाहिए। जवाबदेही से पुलिस कमजोर नहीं होती, बल्कि उसकी विश्वसनीयता बढ़ती है। प्रशासन के लिए सबसे जरूरी है कि वह प्रदर्शन शुरू होने से पहले आयोजकों से संवाद करे, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करे और आपातकालीन सेवाओं की तैयारी सुनिश्चित करे। हिंसा होने पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाए। पूरी भीड़ को अपराधी मान लेना उतना ही गलत है, जितना हिंसा करने वालों को आंदोलनकारी कहकर छोड़ देना। कानून-व्यवस्था की बहस में अक्सर एक आसान समाधान सामने रखा जाता है—पुलिस को और सख्त कर दीजिए। लेकिन क्या केवल कठोर कार्रवाई से नाराजगी खत्म हो सकती है? यदि किसी शहर में युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, परिवारों के लिए घर खरीदना या किराया देना कठिन होता है और स्कूलों की समस्याएं लगातार बनी रहती हैं, तो पुलिस की मौजूदगी उन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं बन सकती।

सरकार को तत्काल हिंसा रोकने और दीर्घकालिक असंतोष दूर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियां अपनानी होंगी। हिंसक अपराधों पर समयबद्ध कार्रवाई हो, जबकि वास्तविक जनसमस्याओं पर बातचीत और नीतिगत सुधार किए जाएं। आवास, शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े सवालों को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझाने के बजाय प्राथमिकता देनी होगी। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें भी आग में घी डाल सकती हैं। इसलिए प्रशासन को तथ्यात्मक जानकारी तेजी से साझा करनी चाहिए, भ्रामक दावों की जांच करनी चाहिए और नागरिकों को विश्व सनीय सूचनाएं उपलब्ध करानी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए कानून तोड़ने वाली गतिविधियों पर कार्रवाई करना ही जिम्मेदार शासन की पहचान है।

फ्रांस और यूरोप की घटनाएं भारत को भी चेतावनी देती हैं। यहां राजनीतिक रैलियां, धार्मिक आयोजन, छात्र आंदोलन और स्थानीय विरोध-प्रदर्शन बड़ी संख्या में लोगों को एकत्र करते हैं। ऐसे अवसरों पर पुलिस की तैयारी, आयोजकों की जिम्मेदारी और प्रशासनिक समन्वय बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। फ्रांस की अशांति से निकलने वाला सबसे बड़ा संदेश यही है कि जनता के गुस्से को समझना सरकार की जिम्मेदारी है और हिंसा रोकना प्रशासन का कर्तव्य। इनमें से किसी एक की अनदेखी दूसरे संकट को जन्म दे सकती है। लोकतंत्र न तो अंधे दमन से सुरक्षित होता है, न ही हिंसा के सामने चुपपी साधने से। उसकी असली ताकत न्याय, जवाबदेही और नागरिक विश्वास में छिपी है।

विचार विंडो

बोध प्रकाश सगुणी

देश की सीमाओं पर दुश्मन की निगरानी करने वाले जवान जब अपने ही तंत्र के दबाव से टूटने लगें, तो सवाल केवल व्यक्तिगत कमजोरी का नहीं, पूरी व्यवस्था की संवेदनशीलता का होता है। जिस जवान से हर परिस्थिति में साहस, अनुशासन और संयम की उम्मीद की जाती है, क्या व्यवस्था उसे पर्याप्त नींद, समय पर छुट्टी, सम्मानजनक व्यवहार और पदोन्नति का अवसर दे पा रही है? केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों से जुड़ी आत्महत्या और साथियों के विरुद्ध हिंसा की घटनाएं इसी कड़वी सच्चाई की ओर ध्यान खींचती हैं।

एक समाचार रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 से 2025 के बीच इन बलों के 1,016 जवानों ने आत्महत्या की, जबकि पांच वर्षों में साथियों के विरुद्ध हिंसा के 24 मामले सामने आए। इन आंकड़ों के पीछे उजड़े परिवार, टूटे सपने और अपनों को खोने का दर्द छिपा है। हर घटना के कारण अलग हो सकते हैं, लेकिन बार-बार सामने आती समस्याओं को व्यक्तिगत मामला बताकर टाल देना भी जिम्मेदारी से बचने का तरीका है। जवान से देश की सुरक्षा चाहिए, लेकिन क्या उसकी अपनी सेहत की सुरक्षा व्यवस्था की प्राथमिकता है? रिपोर्ट में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में 93

वर्दी में पहरेदार, व्यवस्था के भीतर घुटता इंसान

हजार से अधिक पद खाली होने का उल्लेख है। रिक्तियों का बोझ मौजूदा जवानों पर पड़ता है तो ड्यूटी बढ़ती है, आराम घटता है और थकान रोजमर्रा का हिस्सा बन जाती है। विडंबना देखिए, कार्यालयों में काम के घंटे और कर्मचारियों की सुविधाओं पर चर्चाएं होती हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के जवानों के लिए आराम का सवाल कई बार ड्यूटी की जरूरत के आगे दब जाता है। मानो वर्दी पहनते ही इंसान की नींद की जरूरत भी समाप्त हो जाती हो! जबकि थका हुआ जवान हर समय सतर्क रहने की जिम्मेदारी निभाता है। सीमा पर चौकसी जरूरी है, मगर चौकी पर तैनात व्यक्ति की नींद भी उतनी ही जरूरी है। खाली पद भरना और ड्यूटी के बाद पर्याप्त आराम सुनिश्चित करना केवल कर्मचारी हित का मामला नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल है। सरकारी नियमों में छुट्टियों का प्रावधान होना अच्छी बात है, लेकिन असली परीक्षा उस दिन होती है, जब घर में कोई बीमार हो या परिवार किसी संकट से गुजर रहा हो। उस समय जवान को छुट्टी मिलेगी या नहीं, यह सवाल किसी सरकारी आदेश से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। जवान दूसरों के परिवारों की सुरक्षा करता है, मगर अपने परिवार के सुख-दुख में शामिल होने के लिए उसे अनुमति का इंतजार करना पड़ता है। त्योहारों पर देश



उत्सव मनाता है और हजारों जवान अपनी चौकी पर तैनात रहते हैं। यह कर्तव्य का हिस्सा है, लेकिन कर्तव्य के नाम पर उनकी मानवीय जरूरतों को अनदेखा करना जरूरी नहीं। जरूरत के समय छुट्टी देने की पारदर्शी व्यवस्था हो। आपात स्थिति में निर्णय शीघ्र लिया जाए और छुट्टी अस्वीकार करने पर उचित कारण बताया जाए। आखिर परिवार से जुड़ाव कमजोरी नहीं, मानसिक संबल है। रिपोर्ट के अनुसार, इन बलों में अनेक जवानों को पदोन्नति के लिए 18 से 20 वर्ष तक इंतजार करना पड़ सकता है। कोई व्यक्ति जवानी में सेवा शुरू करे और जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष उसी पद पर गुजार दे। जिम्मेदारियां बढ़ती रहें, अनुभव बढ़ता रहे, लेकिन तरक्की की सीढ़ी पर कदम रखने का अवसर न आए। व्यवस्था का यह कैसा प्रबंधन है, जिसमें बेहतर काम की अपेक्षा तो है, लेकिन आगे बढ़ने का रास्ता वर्षों तक अटक रह सकता है?

वेतनवृद्धि और पदोन्नति अलग-अलग बातें

हैं। आर्थिक लाभ से सम्मान, जिम्मेदारी और सेवा में आगे बढ़ने की आकांक्षा पूरी नहीं हो जाती। समय पर पदों की समीक्षा, रिक्तियों की पहचान और पदोन्नति प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। यदि व्यवस्था अपने ही कर्मियों को आगे बढ़ने का रास्ता नहीं दिखा सकती, तो उनसे हर दिन नए उत्साह की उम्मीद करना कितना व्यावहारिक है?

सबसे गंभीर सवाल तब उठता है, जब पेशानी का कारण वही अधिकारी हो, जिसके पास शिकायत पहुंचनी चाहिए। अपमानजनक व्यवहार, पक्षपात या अनुचित दबाव का सामना करने वाला जवान अपनी बात किससे कहे? शिकायत करने पर पदस्थापना या तरक्की प्रभावित होने का डर हो, तो चुपपी मजबूरी बन जाती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की रीढ़ है, लेकिन अनुशासन का अर्थ अपमान सहना नहीं। वरिष्ठ अधिकारी का अधिकार उसकी जिम्मेदारी के साथ आता है। नेतृत्व का मतलब केवल आदेश देना नहीं, अधीनस्थों की समस्याओं को समझना भी है। शिकायतों के लिए स्वतंत्र और गोपनीय व्यवस्था, समयबद्ध जांच तथा शिकायतकर्ता को प्रताड़ना से सुरक्षा मिलनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी सुलभ हो, ताकि जवान बिना संकोच सहायता मांग सकें। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान

कठिन परिस्थितियों में देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान केवल शोक संदेश, जांच के आदेश या घटना के बाद समीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। खाली पद भरना, समय पर पदोन्नति, पर्याप्त आवास, परिवार से संपर्क, छुट्टी और सम्मानजनक कार्यसंस्कृति उनकी बुनियादी जरूरतें हैं। हिंसा की घटनाओं में निष्पक्ष जांच और व्यक्तिगत जवाबदेही जरूरी है, लेकिन संस्थागत कमियों की समीक्षा भी होनी चाहिए। आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या कहना अधूरा है, और हर घटना के लिए बिना जांच पूरे विभाग को दोषी ठहराना भी उचित नहीं। समाधान के लिए निष्पक्ष जांच, संवेदनशील नेतृत्व और ठोस सुधार जरूरी हैं। सरकार और प्रशासन को समझना होगा कि जवान कोई मशीन नहीं, भावनाओं और जिम्मेदारियों से भरा इंसान है। मशीन का पुर्जा बदला जा सकता है, लेकिन किसी जवान की जिंदगी और उसके परिवार का सहारा वापस नहीं लाया जा सकता। देश की सुरक्षा करने वालों को सुरक्षित कार्यजीवन देना भी देशभक्ति है। वर्दी का सम्मान केवल समारोहों में सलामी देने से नहीं, बल्कि उस वर्दी के भीतर मौजूद इंसान की जरूरतों, गरिमा और अधिकारों का सम्मान करने से पूरा होगा।

रामबाण से कम नहीं है आंवला का सेवन

बालों को खूबसूरत बनाने से लेकर पेट तक को फायदे देगा

यूनिक समय, मथुरा। विटमिन सी भरपूर आंवला एक सुपरफूड की तरह है। इसके फायदे जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। आंवला के फायदे इतने हैं कि आप इसे खाने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। बालों से लेकर पेट संबंधित सभी समस्याओं को दूर करता है आंवला।

आयुर्वेद में आंवला के कई हेल्दी बेनिफिट्स के लिए जाना जाता है। आंवला, विटमिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों का भंडार है। आंवला सुपरफूड की तरह है जिसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इम्यूनिटी को बूस्ट करने से लेकर बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है आंवला। यह बॉडी को गर्म रखने के साथ ही बीमारियों को दूर करता है। आइए जानते हैं आंवला के फायदे।

बूस्ट इम्यूनिटी: आंवला विटमिन सी भरपूर होते हैं, इसमें कई न्यूट्रिशन पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में



फायदेमंद होते हैं। आंवला हमारे इम्यून सिस्टम के लिए काफी फायदा पहुंचाता है। इसके सेवन से बीमारियां दूर हो जाती है।

डाइजेशन में सुधार: प्रतिदिन आंवला खाने से पेट संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। इसके साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद : जो लोग डायबिटीज से परेशान हैं उन्हें आंवले का सेवन करना चाहिए। आंवला में कुछ ऐसे कंपाउंड्स मौजूद होते हैं जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते हैं, जो डायबिटीज वाले मरीजों के लिए फायदा पहुंचाता है।

हेयर्स हेल्दी रहते हैं : आंवला हेयर्स फॉलिकल्स को पोषण प्रदान करता है। बालों की जड़ों को मजबूत करने और समय से पहले सफेद होने से रोकने में मदद करता है। इससे बाल हेल्दी, चमकदार और घने दिखने लगते हैं।

कैसे खाएं आंवला ?

आंवला का आचार : आप घर पर ही आंवले का आचार बना सकते हैं। आंवले के टुकड़ों को नमक, मसालेदार और तीखा आचार बना सकते हैं।

आंवला का पाउडर : आप चाहे तो आंवले के टुकड़ों को सुखाकर बारीक पीस लें।

इस पाउडर को आप अपनी स्मूदी या फिर दही में मिला सकते हैं।

आंवले का जूस: आंवला का जूस बनाने के लिए फ्रेश आंवले को पानी के साथ मिलाएं और मिटास के लिए इसमें शहद या गुड़ जरूरतनुसार डाल सकते हैं।



फ्रिज में मिर्च रखने के वाबजूद भी सड़ जाती है तो इस तरह करें स्टोर



यूनिक समय, मथुरा। कई बार हम सभी बाजार से ताजी मिर्च लेकर के आ जाते हैं लेकिन फ्रिज में रखने से यह जल्द ही सड़ने लगती है। अगर आप भी अपने फ्रिज में रखती है मिर्च जो कि सड़ने लगती है, तो इस तरह से करें इसे स्टोर।

जिन लोगों को तीखा-चटपटा खाने का बहुत शौक होता है, वो लोग हरी मिर्च को रोजाना खूब खाते हैं। बाजार से हरी-ताजा मिर्च लेकर आते हैं फ्रिज में रखने से सड़ने लगती है।

ज्यादा दिन तक रखें रहने से मिर्च भी गलने लगती है या फिर लाल होने लगती है। जिस वजह से लोग इसे ज्यादा दिन तक स्टोर करने से बचने लगते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे हरी मिर्च को ज्यादा दिन तक स्टोर करें।

खराब मिर्ची को अलग करें : आप सभी मिर्ची को अच्छे से धो लें और फिर गली और खराब मिर्ची को अलग कर दें। यदि सड़ी-गली मिर्च रहती है तो बाकी मिर्ची के खराब होने का डर नहीं रहता।

जिप लॉक में रखें : लंबे समय तक मिर्ची को फ्रेश रखने के लिए आप पहले इन्हें धोएं और फिर ड्राई

लंबे समय तक रहेगी फ्रेश

कर लें। फिर इसकी डंठल तोड़ दें और फिर मिर्च को जिप लॉक बैग में रख लें उसके बाद फ्रिज में रख दें। यदि आपको ज्यादा समय के लिए रखना है तो आप पाउच को फ्रीजर के आइसबॉक्स में जमा सकते हैं।

तोड़ दें हरी मिर्च की डंडी : सबसे पहले आप मिर्ची को पानी में कुछ देर के लिए भिगोएं और इसके बाद निकाल लें। इसको लंबे समय तक स्टोर करने के लिए आप इसकी डंडी तोड़ दें। हरी मिर्च का पानी सूख जाए तो इसे एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करें।

काम आएगा पेपर टॉवल : ज्यादा दिन तक हरी मिर्च को स्टोर करने के लिए आप पेपर टॉवल का यूज कर सकते हैं। पहले आप मिर्ची को धो लें इसके बाद पेपर के तौलिये के यूज से इस्तेमाल करें। इसे एक साफ पेपर टॉवल में लपेट कर रख लीजिए। अगर आपके पास मिर्ची ज्यादा है तो इसे आप ग्लास कंटेनर में स्टोर करें।

सर्दियों में आलू समेत इन चीजों को उबालकर खाना चाहिए

शरीर को मिलते हैं जबरदस्त फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। वैसे तो सब्जियों को उबालकर खाना इतना स्वादिष्ट नहीं लगता है। लेकिन कुछ चीजें हैं जिन्हें उबालकर खाने से दोगुना मजा आता है और इसके पोषक तत्व भी अच्छे तरीके से अवशोषित होते हैं। सर्दियां आ गई हैं ऐसे में आप इन चीजों को उबालकर खाने से शरीर को कई तरीके से फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में जिन्हें आप उबालकर खाने से बॉडी को कई तरीके से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दियां शुरू हो चुकी है ऐसे में कई खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आप उबालकर जरूर खाते होंगे। कुछ चीजों को उबालने के बाद उनमें मौजूद बैक्टीरिया और अशुद्धियां दूर हो जाती है और यह पाचन के लिए भी बेहतर होती हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी होते हैं जिन्हें उबालकर खाने से प्राकृतिक स्वाद बना रहता और सेहत के लिए हेल्दी रहता है। कुछ फूड्स को उबालकर खाने से उसके पोषक तत्व भी बरकरार रहते हैं और हेल्थ के लिए ठीक रहता है। इसके सेवन से पाचन भी बेहतर बना रहता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, विंटर सीजन में उबले आलू, शकरकंद, अंडा, पालक और गाजर जैसे खाद्य पदार्थों को उबालकर खाने से सेहत बेहतर रहती है। **आलू:** जब आप आलू उबालते हैं तो उसका स्टार्च कंटेंट कम हो जाता है, इससे यह आसानी से पच जाता है। उबले आलू में कैलोरी भी कम होती है और इसका



ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। इसके सेवन से ब्लड शुगर बढ़ता नहीं है और डायबिटीज पैशंट के लिए सबसे बेहतर ऑप्शन होता है। तभी आलू फ्राई करने के बजाए छिलके सहित उबालने के बाद खाने की सलाह दी जाती है। आलू में कार्बोहाइड्रेट होता है, जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है।

गाजर: सर्दियों के दौरान बाजार में गाजर मिलने लगती है। गाजर खाने का मजा तो सिर्फ ठंड के मौसम में आता है। गाजर में बीटा-कैरोटीन और विटामिन ए मौजूद होता है, जो उबलने के बाद भी इन पोषक तत्वों की मात्रा दोगुनी हो जाती है। उबली हुई गाजर खाने से आंखों की रेशनी बढ़ती है, पाचन तंत्र स्वस्थ रहेगा और त्वचा भी जवान रहेगी, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सिडेंट होता है।

अंडा: अंडे में सबसे ज्यादा मात्रा में प्रोटीन पाया जाता

है। कई लोग अंडे को हाफ फ्राई-डीप फ्राई करके या आमलेट और करी के रूप में खाते हैं। अगर आप अंडे को उबालकर खाते हैं तो यह तरीका सबसे हेल्दी माना जाता है। उबालकर खाने से इसके प्रोटीन को पचाना काफी आसान होता है। इसे खाने से मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और ब्रेन पॉवर बूस्ट होता है।

शकरकंद : ठंड के मौसम में शकरकंद बाजारों में काफी मिलती है।

शकरकंद में उच्च मात्रा में बीटा कैरोटीन होता है, इसको उबालकर खाने से ज्यादा लाभ मिलता है। उबालने के बाद इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम हो जाता है, इससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। डायबिटीज रोगी इसका सेवन जरूर करें। शकरकंद में फाइबर और कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है जो पेट को लंबे समय तक भरा-भरा रखता है और कब्ज की समस्या भी दूर होती है।

पालक: पालक का सेवन सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में आयरन होता है। जब आप पालक को उबालकर खाते हैं तो इसमें पाए जाने वाले ऑक्सलेट कॉन्टेंट कम हो जाते हैं। बता दें कि, ऑक्सलेट एक ऐसा तत्व होता है, जो आयरन और कैल्शियम को शरीर में एब्जॉर्ब करने से रोकता है। ऑक्सलेट की मात्रा कम करने के लिए पालक को कुछ मिनट के लिए जरूर उबाल लेना चाहिए।

विंटर वेकेशन को परफेक्ट बनाने के लिए इन जगहों पर एडवेंचर एक्टिविटीज का लुत्फ उठाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्दियों में घूमने के लिए राजस्थान अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। विंटर वेकेशन को बेहतर बनाने के लिए आप घूमने के लिए कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप राजस्थान का ट्रिप पर जा सकते हैं। सर्दियां शुरू हो चुकी हैं, ऐसे में आप भी विंटर वेकेशन पर कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप के लिए राजस्थान से बेहतर कुछ भी नहीं हो सकता है।

सर्दियों के समय घूमने के लिए राजस्थान का मौसम सबसे बढ़िया होता है। राजस्थान की खासियत है कि एडवेंचर एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। एडवेंचर एक्टिविटीज का मजा लेने के लिए आप कपल्स, दोस्तों और फैमिली के साथ जा सकते हैं। आइए जानते हैं



राजस्थान में आप कहाँ-कहाँ किन एक्टिविटीज का लुत्फ ले सकते हैं।

जैसलमेर में सफारी: विंटर वेकेशन के लिए जैसलमेर सबसे बेहतरीन जगह है। राजस्थान का

गोल्डन शहर जैसलमेर में आप रेगिस्तानी सफारी का एक्सपीरियंस कर सकते हैं। यहां पर आप को उंट की सवारी, लहरदार थार रेगिस्तान को पार करने और टीलों पर लुभावने सनसेट देखने को मिलेगा।

रणथंभौर में टाइगर सफारी: अगर आप रॉयल बंगाल टाइगर को देखना चाहते हैं, तो राजस्थान के रणथंभौर जरूर जा सकते हैं। वाइल्ड लाइफ लवर्स को ये जगह काफी पसंद आएगी। यहां आप अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

जयपुर में बलून राइड : पिंक सिटी जयपुर में आप हॉट एयर बलून का मजा ले सकते हैं। बता दें कि, अरावली रेंज में स्थापित यह रोमांचकारी सवारी शहर के शाही आकर्षण और प्राकृतिक

नजारे का मजा ले सकते हैं।

उदयपुर में बोटिंग: अगर आप बोटिंग करना चाहते हैं, तो आप राजस्थान से लेक ऑफ सिटी उदयपुर जा सकते हैं। यहां पर आपको बोटिंग एक्सपीरियंस बेहतरीन मिलेगा। सनसेट के दौरान ऐतिहासिक महल और घाट को देखना काफी अलग एक्सपीरियंस होगा।

भानगढ़ फोर्ट : राजस्थान का भानगढ़ फोर्ट ऐतिहासिक खंडहरों और भूत-प्रेत की कहानियों के लिए काफी मशहूर भानगढ़ को देश की सबसे डरावनी जगहों में से एक माना जाता है। किले में एंट्री के लिए चार द्वार हैं- लाहौरी गेट, अजमेरी गेट, फूलबारी गेट और दिल्ली गेट। यदि आपको भूतियां जगहों को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो आप इन जगहों पर जरूर जाएं।

काशी में 'विंग्स ओवर गंगा' का रोमांच

राफेल-सुखोई समेत 52 लड़ाकू विमानों ने दिखाए करतब



यूनिक समय, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने नमो घाट पर आयोजित भव्य एयर शो देखा। 'विंग्स ओवर गंगा' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। भारतीय वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एयर शो में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया, जिनमें राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमान शामिल रहे।

एयर शो के दौरान राफेल, सुखोई और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों ने आसमान में रोमांचक करतब दिखाए। विमानों की गर्जना से काशी का आसमान गुंज उठा।

गंगा के ऊपर विमानों की उड़ान और उनकी कलाबाजियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग नमो घाट पहुंचे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और उन्हें पेंटिंग भेंट की।

एयर शो से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रूपापुर में करीब 100 करोड़ रुपये

की अरविंद टेक्सटाइल मिल का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने महिला कर्मचारियों से बातचीत भी की। इसके बाद प्रधानमंत्री पुलिस लाइन से लगभग सात किलोमीटर का रोड शो करते हुए नमो घाट पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह स्वागत के लिए लोग जुटे और समर्थकों ने फूल बरसाए। ढोल-नगाड़ों और भजनों के बीच उनका स्वागत किया गया।

एयर शो के कारण वाराणसी में उड़ानों के संचालन पर भी असर पड़ा।

नमो घाट पर प्रधानमंत्री मोदी ने देखा वायुसेना का एयर शो

राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस पर 100 विमानों ने लिया हिस्सा

राफेल की गर्जना से गुंजा काशी का आसमान

100 करोड़ की कपड़ा मिल का उद्घाटन, सात किलोमीटर रोड शो

जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की दो उड़ानों को लखनऊ की ओर मोड़ना पड़ा। वहीं, प्रधानमंत्री के आवागमन के दौरान कुछ मार्गों पर बैरिकेडिंग से यातायात प्रभावित हुआ। तुलसीगंज के पास एक एंबुलेंस भी कुछ देर फंसी रही, जिसे बाद में रास्ता देकर निकाला गया।

प्रयागराज में भाजपा नेता की 50 लाख की फॉर्च्यूनर चोरी

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के कैंट थाना क्षेत्र में भाजपा नेता पीयूष जायसवाल की करीब 50 लाख रुपये की फॉर्च्यूनर चोरी हो गई। सीसीटीवी फुटेज में सिर पर गमछा बांधे एक संदिग्ध लंगड़ाते हुए कार के पास पहुंचता दिखाई दे रहा है। वह कुछ ही देर में गाड़ी खोलकर फरार हो जाता है। पूरी वारदात करीब 50 सेकंड में हुई। पीयूष जायसवाल भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष और कारोबारी हैं। उन्होंने बताया कि कार 22 अक्टूबर की रात राजापुर स्थित एक होटल के पास खड़ी की थी। अगले दिन सुबह कार गायब मिली। शिकायत के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। कार मालिक ने हाल में खे गए पूर्व ड्राइवर पर शक जताया है। आशंका है कि उसने कार की दूसरी चाबी बनवाई हो, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार और संदिग्ध की तलाश जारी है।

यूपी पीईटी में सख्ती बालियां, पायल और चेन उतरवाकर मिली एंट्री



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के पहले दिन रविवार को परीक्षा केंद्रों पर कड़ी जांच की गई। प्रदेश के 60 जिलों में 1,372 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा की पहली पाली दोपहर 12 बजे समाप्त हुई। अभ्यर्थियों को प्रवेश से पहले प्रवेश पत्र और आधार कार्ड की जांच, बायोमेट्रिक मिलान तथा चेहरे और आंखों की स्कैनिंग से गुजरना पड़ा।

कई जिलों में महिला अभ्यर्थियों की कान की बालियां, पायल, चेन, कंगन और हेयर पिन उतरवाए गए। लखनऊ में कुछ अभ्यर्थियों के कलावे काटे गए, जबकि पुरुष अभ्यर्थियों के जूते-मोजे और बेल्ट भी उतरवाकर जांच की गई। कानपुर और बरेली में महिलाओं के बाल खुलवाकर चेकिंग किए जाने की जानकारी सामने आई। मथुरा में कुछ अभ्यर्थियों को दांत से कलावा काटना पड़ा।

पहली पाली की परीक्षा देकर निकले कई अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को आसान बताया, जबकि कुछ ने सामान्य अध्ययन और समसामयिकी के सवाल को थोड़ा उलझाने वाला कहा। गोरखपुर

60 जिलों के 1,372 केंद्रों पर परीक्षा

आधार-बायोमेट्रिक और चेहरे की जांच के बाद प्रवेश

पहली पाली देकर निकले अभ्यर्थियों ने पेपर को बताया आसान

गलत केंद्र पहुंची छात्रा की पुलिस ने की मदद

की एक अभ्यर्थी ने बताया कि प्रश्नपत्र में आंकड़ों पर आधारित सवाल अधिक थे। कन्नौज में गलत परीक्षा केंद्र पहुंची छात्रा की पुलिसकर्मी ने बाइक से मदद की। फतेहपुर में भी दो पुलिसकर्मियों ने एक छात्रा को निजी वाहन से केंद्र पहुंचाया, जिसके लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक निर्धारित है।

लखनऊ में बुलडोजर एक्शन पर बवाल

211 चैंबर बचाने को मशीनों पर चढ़े वकील

पहियों के आगे लेटकर जताया आक्रोश, महिला वकील रोई

हाईकोर्ट से अपील खारिज होने के बाद नगर निगम की कार्रवाई जारी

यूनिक समय, लखनऊ। जिला न्यायालय के बाहर बने वकीलों के चैंबरों पर रविवार को नगर निगम ने बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू कर दी। 211 चैंबरों को हटाने के लिए पहुंची टीम का वकीलों ने जोरदार विरोध किया। शुरुआत में वकील सड़क पर बोरी बिछाकर बैठ गए। बाद में नारेबाजी करते हुए कार्रवाई रोकने की मांग करने लगे। करीब दो घंटे बाद विरोध तेज हो गया। कुछ वकील बुलडोजर पर चढ़ गए और उसके पहियों के सामने लेट गए। इस



दौरान कई महिला वकील भावुक होकर रोती दिखाई दीं। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारी प्रदर्शन कर रहे वकीलों को समझाने में जुटे रहे। वकीलों ने आरोप लगाया कि उन्हें चैंबर हटाने के बदले कोई विकल्प नहीं दिया गया। कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि नगर निगम ने वैध निर्माणों पर भी गलत निशान लगाए हैं।

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार,

हाईकोर्ट के आदेश पर सड़क, फुटपाथ, नाले और नालियों पर बने अवैध निर्माण हटाए जा रहे हैं। कार्रवाई से पहले नोटिस जारी किए गए थे और 14 आपत्तियों का निस्तारण किया गया था। मई से अगस्त के बीच 72 चैंबर पहले ही तोड़े जा चुके हैं। वकीलों की अपील हाईकोर्ट से खारिज होने के बाद अभियान जारी है। विरोध के बीच कुछ स्थानों पर बुलडोजर पीछे भी हटाने पड़े।

सपा के साइकिल वितरण कार्यक्रम पर चला बुलडोजर

यूनिक समय, गाजियाबाद। लोनी के अंकुर विहार क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के साइकिल वितरण कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया। शुक्रवार देर रात नगर पालिका की कार्रवाई में कार्यक्रम का मंच और टेंट बुलडोजर से तोड़ दिया गया। मौके पर रखा सामान भी गाड़ियों में भरकर ले जाया गया। रविवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में एक हजार छात्राओं को साइकिलें बांटी जानी थीं।

कार्यक्रम के आयोजक सपा नेता अनुज प्रधान का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें करीब छह घंटे तक हिरासत में रखा। उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रम के लिए अनुमति ली गई थी और संबंधित दस्तावेज भी अधिकारियों को दिखाए गए, लेकिन इसके बावजूद आयोजन रोक दिया गया। नगर पालिका



लोनी ने आयोजक पर 10,86,930 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम की अनुमति नहीं ली गई थी। अनुज प्रधान के मुताबिक, उन्होंने

दूसरे गांवों में पढ़ने के लिए पैदल जाने वाली छात्राओं की परेशानी देखकर साइकिल वितरण का निर्णय लिया था। इसके लिए लोनी के विभिन्न वार्डों और ग्राम पंचायतों से छात्राओं के दस्तावेज

1000 छात्राओं को मिलनी थी साइकिलें, मंच और टेंट तोड़े जाने से कार्यक्रम रुका

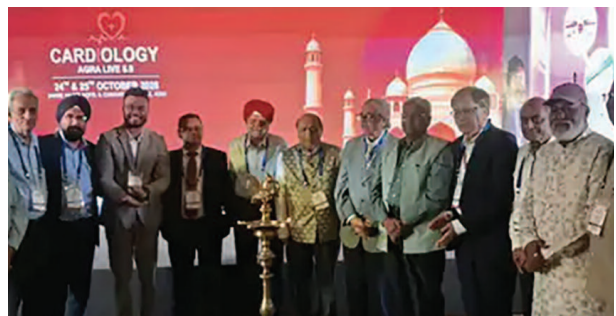
आयोजक ने छह घंटे हिरासत में रखने का लगाया आरोप

नगर पालिका ने लगाया 10.86 लाख रुपये का जुर्माना

जुटाए गए थे।

वहीं, डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि यह नगर पालिका से जुड़ा मामला है। उनके अनुसार, पुलिस ने न तो कार्यक्रम रुकवाया और न ही किसी आयोजक को हिरासत में लिया। फिलहाल कार्यक्रम स्थल पर पुलिस तैनात है और आयोजन नहीं हो सका है।

आगरा में 450 हृदय रोग विशेषज्ञों का मंथन



यूनिक समय, आगरा। हृदय रोगों के इलाज में आधुनिक तकनीकों से कई जटिल मामलों में ओपन सर्जरी के बिना भी उपचार संभव हो रहा है। आगरा के होटल जेपी पैलेस में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'कार्डियोलॉजी आगरा लाइव 6.0' में देशभर के करीब 450 विशेषज्ञों ने नई तकनीकों, हार्ट फेलियर और वाल्व संबंधी बीमारियों पर विचार साझा किए। पहले दिन 20 तकनीकी सत्र आयोजित हुए।

विशेषज्ञों ने बताया कि टीएवीआर और मित्राक्लिप जैसी तकनीकों से चुनिंदा मरीजों में वाल्व बदलने या उसकी मरम्मत करने में मदद मिलती है। हालांकि, उपचार का चयन मरीज की स्थिति और जोखिम के आकलन के आधार पर किया जाना चाहिए।

डॉक्टरों ने बताया कि हृदय और किडनी एक-दूसरे के कामकाज को प्रभावित करते हैं।

हार्ट फेलियर की समय पर पहचान,

बिना ओपन सर्जरी जटिल बीमारियों के इलाज की नई तकनीकों पर जोर

कार्डियोलॉजी सम्मेलन में वाल्व रोगों और हार्ट फेलियर के आधुनिक उपचार पर चर्चा

डॉ. डीएस गंभीर सम्मानित समय पर जांच और सही इलाज को बताया जरूरी

नियमित जांच और दवाओं की निगरानी जरूरी है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापा भी जोखिम बढ़ाते हैं।

सम्मेलन में पद्मश्री डॉ. दलजीत सिंह गंभीर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। रविवार को मेडिकल छात्रों के लिए इकोकार्डियोग्राफी की विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

अरुणाचल में बांध के विरोध में बवाल थाने-कार्यालय आग के हवाले

भाजपा नेताओं के घरों में तोड़फोड़

11,200 मेगावाट की प्रस्तावित परियोजना के विरोध में प्रदर्शन

पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए छोड़ी गई आंसू गैस

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की सियांग



जलविद्युत परियोजना के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी कार्यालय और पुलिस थाने में आग लगा दी। कई पुलिस वाहनों को भी जला दिया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और कुछ विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की गई। पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने और पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। भीड़ ने आदि समुदाय के प्रमुख संगठन आदि बाने के बांग के कार्यालय में भी तोड़फोड़

नागपुर में किराए के कमरे से मिले 37 लाख के नकली नोट



यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर में किराए के कमरे में नकली नोट छापने का मामला सामने आया है। मकान मालिक ने कमरे का ताला तोड़ा तो अंदर पांच सौ रुपये के नोटों के बंडल, प्रिंटर और छपाई में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली। शुरुआती जांच में करीब 37 लाख रुपये के नकली नोट मिलने की बात सामने आई है। नोटों की गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पुष्पक कृष्ण भंडारकर उर्फ बंडेना नागपुर के त्रिभुक्ति नगर का निवासी है। उसने करीब डेढ़ साल पहले खरबी इलाके में कमरा किराए पर लिया था। जनवरी में किरायानामा समाप्त होने के बाद उसने कई महीनों तक किराया नहीं दिया। मकान मालिक रमेश ने कमरा खाली

डेढ़ साल पहले किराए पर लिया था कमरा, किराया बकाया होने पर खुला मामला

प्रिंटर, अधछपे नोट और छपाई सामग्री बरामद, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

करने को कहा तो आरोपी ने कथित तौर पर चाकू दिखाकर धमकाया। इसके बाद मकान मालिक ने वाटोडा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी कई दिनों से कमरे पर नहीं आया था। शनिवार को मकान मालिक ने हथौड़े से ताला तोड़ा तो बाल्टी में नोटों के बंडल और जमीन पर कागज बिखरे मिले। पुलिस ने मौके से अधछपे नोट और अन्य सामग्री सहित करीब 48 लाख रुपये मूल्य का सामान जब्त किया है।

जांच में आरोपी के मुंबई में होने की जानकारी मिली है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीम भेजने की तैयारी है। मामले की जांच जारी है।

अमेरिका के फ्लोरिडा में स्टेडियम के पास गोलीबारी



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के तलहासी में शनिवार रात फुटबॉल स्टेडियम के पास गोलीबारी में 12 लोग घायल हो गए। घायलों में छह बच्चे शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों की हालत गंभीर है, जबकि नौ अन्य की स्थिति स्थिर बताई गई है। मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, गोलीबारी से पहले छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था। फुटबॉल मैच के बाद इलाके में भीड़ मौजूद थी। अधिकारियों ने घटना में शामिल लोगों की पहचान और गोलीबारी के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। गोलीबारी फ्लोरिडा एग्रीकल्चरल एंड मैकेनिकल विश्वविद्यालय के फुटबॉल स्टेडियम के पास हुई। उस समय

की।

प्रदर्शनकारी परियोजना से जुड़े शुरुआती सर्वेक्षण रोकने, गिरफ्तार दस कार्यकर्ताओं को रिहा करने, निर्लंबित गांव के मुखियाओं को बहाल करने और केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग कर रहे हैं।

सियांग नदी तिब्बत से निकलकर अरुणाचल में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र कहलाती है। भारत इस परियोजना को चीन के प्रस्तावित विशाल बांध से जुड़ी जल सुरक्षा और बाढ़ नियंत्रण की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानता है।

हालांकि, स्थानीय संगठनों को आशंका है कि बांध से गांव डूब सकते हैं और आदिवासी समुदाय की जमीन, संस्कृति तथा आजीविका प्रभावित हो सकती है। राज्य सरकार का कहना है कि फिलहाल तकनीकी और पर्यावरणीय व्यवहार्यता का आकलन किया जा रहा है।

12 घायलों में छह बच्चे शामिल, तीन की हालत गंभीर, पुलिस जांच में जुटी

फुटबॉल मैच के बाद छात्रों में हुआ था झगड़ा, अब तक गिरफ्तारी नहीं

विश्वविद्यालय में पूर्व और वर्तमान छात्रों के मेल-मिलाप तथा खेल गतिविधियों से जुड़ा विशेष आयोजन चल रहा था। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

तलहासी के पुलिस प्रमुख लॉरेंस रेवेल ने बताया कि अधिकारियों ने घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और अस्पताल ले जाने में मदद की। उन्होंने बच्चों के घायल होने पर दुख जताया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गोलीबारी उसके परिसर के पास हुई और परिसर सुरक्षित है।

पुलिस ने लोगों से घटना से जुड़ी जानकारी साझा करने की अपील की है। जांच में झगड़े की वजह और गोलीबारी में शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है।

पेरिस में पुलिस का लाठीचार्ज, आंसू गैस छोड़ी

देशभर में करीब एक हजार गिरफ्तार, 70 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

स्कूलों की बढहली और सरकारी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

मैक्रों की सरकार पर जनआवाज दबाने का आरोप लगाया। वहीं, वामपंथी नेता कक्षाओं की समस्याएं उठा रहे थे। बाद में महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत और पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ शिक्षक, अभिभावक तथा श्रमिक संगठन भी शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति इमैनुएल

एसआईआर सॉफ्टवेयर पर चुनाव आयोग ने साधी चुप्पी

ट्रेड सीक्रेट बताकर जानकारी देने से किया इनकार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर भी स्पष्ट जवाब नहीं, आरटीआई से उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जवाब देते हुए इसे व्यापारिक गोपनीयता और बौद्धिक संपदा से जुड़ा मामला बताया।

आयोग ने सॉफ्टवेयर का नाम और संस्करण बताने से इनकार किया। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया कि मतदाता



सूची की जांच में कृत्रिम बुद्धिमत्ता या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल हुआ था या नहीं।

आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का निर्णय संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथ्यों और अभिलेखों के आधार पर करता है। हालांकि, सॉफ्टवेयर की भूमिका को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।

आरटीआई के जवाब में आयोग ने विभिन्न कानूनी प्रावधानों का हवाला दिया। इससे मतदाता सूची की जांच में तकनीकी प्रक्रिया और उसके इस्तेमाल को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आयोग ने यह भी कहा कि एसआईआर के लिए नया सॉफ्टवेयर न तो बनाया गया और न ही खरीदा गया।

मन की बात में मोदी का स्वदेशी मंत्र

‘वोकल फॉर लोकल’ से वैश्विक बाजारों में छ रहे भारतीय उत्पाद



यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 139वें एपिसोड में स्वदेशी उत्पादों, प्राकृतिक खेती, स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के मौसम में लोग खरीदारी के दौरान स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। ‘वोकल फॉर लोकल’ की यह भावना भारतीय उत्पादों को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने में मदद कर रही है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों के उत्पादों का उल्लेख करते हुए बताया कि ‘शबरी नेचुरल्स’ के माध्यम से शहद, महुआ, चीड़ और बांस से बने उत्पाद बाजार में पहुंचाए जा रहे हैं। इनकी पैकेजिंग पर आदिवासी कला की झलक दिखाई

आदिवासी उत्पादों की पैकेजिंग को मिला जापान का सम्मान

प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण पर भी जोर

देती है और इसे जापान का प्रतिष्ठित ‘गुड डिजाइन अवार्ड’ मिला है।

उन्होंने पंजाब के मालवा क्षेत्र में प्राकृतिक तरीके से कपास उगाने की पहल ‘नव-त्रिन्जन’ की भी सराहना की। इसके तहत बिना रासायनिक पदार्थों के कपास की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मोदी ने बिहार के मखाने, कर्नाटक की अरहर दाल और खादी जैसे स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में हेवल नदी और प्राकृतिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने के सामुदायिक प्रयासों का भी उल्लेख किया। साथ ही त्योहारों के दौरान स्वच्छता अभियान चलाने पर जोर दिया।

नायडू ने जगन को बताया ‘कंस’ भांजी की शादी रोकने का लगाया आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की तुलना महाभारत के पात्र कंस से की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन ने अपनी बहन वाई.एस. शर्मिला की बेटी की शादी के लिए बेंगलुरु स्थित पारिवारिक बंगले के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

नायडू के मुताबिक, 25 नवंबर को होने वाली शादी येल्लाहंका पैलेस में प्रस्तावित है। उन्होंने दावा किया कि संपत्ति विवाद के कारण जगन अपनी मां और बहन के साथ



अनुचित व्यवहार कर रहे हैं, जबकि उनकी बहन का भी संपत्ति में हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने जगन के रवैये को नैतिक और पारिवारिक मूल्यों के विपरीत बताया। उनके बयान से आंध्र प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। ये आरोप नायडू के

फ्रांस में महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बढहली व्यवस्था और पुलिस की सख्ती के खिलाफ 24 अक्टूबर को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। राजधानी पेरिस सहित कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब एक हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदर्शनों में लगभग चार लाख लोग शामिल हुए, जबकि श्रमिक संगठनों ने यह संख्या आठ लाख बताई। पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। हिंसा की आशंका को देखते हुए देशभर में 70 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। प्रदर्शन की शुरुआत शांतिपूर्ण रही। इसमें छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग



शामिल हुए। हालांकि, मार्च के अंत में कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पत्थर और बोतलें फेंकीं। कुछ स्थानों पर आगजनी भी हुई। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस, जल तोप और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया। मार्सेई सहित कई शहरों में झड़पें हुईं। ट्रलूज और क्लेरमों-फेरा में कम से कम दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है।

सितंबर में शुरू हुए आंदोलन में शुरुआत में छात्र स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर इमारतों और भीड़भरी कक्षाओं की समस्याएं उठा रहे थे। बाद में महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत और पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ शिक्षक, अभिभावक तथा श्रमिक संगठन भी शामिल हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति इमैनुएल

शरद पूर्णिमा पर बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब



रविवार को शरद पूर्णिमा पर ठाकुर बांकेबिहारी ने श्वेत जड़ित पोशाक, मोरमुकुट और मुरली धारण कर 'रासेश्वर' स्वरूप में भक्तों को वर्ष में एक बार होने वाले दुर्लभ दर्शन दिए। अलौकिक छवि निहारने को मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

पांच नंबर गेट पर प्रवेश रोका, पुलिसकर्मियों पर महिलाओं को धक्का देकर हटाने के आरोप

दर्शन की आस में आए भक्त बेहाल, भीड़ प्रबंधन और पुलिस के व्यवहार पर उठे सवाल

यूनिक समय, वृंदावन। शरद पूर्णिमा पर ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। देश के कोने-कोने से पहुंचे भक्त अपने आराध्य की एक झलक पाने को आतुर थे, लेकिन मंदिर के पांच नंबर गेट पर बंदिश ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी। गेट बंद होने से श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं मिला और दर्शन की उम्मीद लेकर पहुंचे भक्तों को परेशानी झेलनी पड़ी। पर्व की भीड़ के बीच प्रवेश व्यवस्था को लेकर असंतोष नजर आया। श्रद्धालुओं का आरोप है कि पांच



बिहारीजी मंदिर के गेट पांच पर अभद्रता करने वाले पुलिसकर्मियों को खरी-खोटी सुनाती महिला श्रद्धालु।

नंबर गेट पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्रता और सख्ती से व्यवहार किया। भक्तों को धक्का देकर हटाने के आरोप लगे, महिलाओं के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किए जाने की बात सामने आई। अपने आराध्य के दर्शन के लिए दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं को इस स्थिति से निराशा हुई। धार्मिक आस्था के बड़े पर्व पर दर्शन की व्यवस्था के बजाय परेशानी झेलने की शिकायतों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए।

बांके बिहारी मंदिर में विशेष पर्वों पर भारी भीड़ उमड़ना कोई नई बात नहीं है। ऐसे में प्रशासन और पुलिस से बेहतर भीड़ प्रबंधन की अपेक्षा रहती है। सुरक्षा के लिए प्रवेश नियंत्रित करना जरूरी हो

सकता है, लेकिन इसकी व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के साथ संयम और संवेदनशीलता बरतना जरूरी है।

शरद पूर्णिमा पर उमड़ी भीड़ और पांच नंबर गेट बंद होने से पैदा हुई परेशानी ने व्यवस्थाओं की तैयारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रद्धालुओं के साथ पुलिसकर्मियों के खराब व्यवहार की शिकायतों पर भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। अब निगाहें संबंधित अधिकारियों पर हैं कि वे मामले का संज्ञान लेकर व्यवस्था सुधारने और श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

महाराजा अंबरीष की शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत



महाराजा अंबरीष की शोभायात्रा में शामिल सोनी समाज के बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। स्वर्णकार कुल शिरोमणि महाराजा अंबरीष की शोभायात्रा का शुभारंभ महाराजा के चित्रपट की आरती के साथ हुआ। शोभायात्रा आयोजक सोनी समाज सेवा समिति के संरक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार ने समिति पदाधिकारियों के साथ आरती उतारकर यात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह समाज के लोगों ने महाराजा अंबरीष के स्वरूप की आरती उतारकर और स्वागत कर अभिनंदन किया।

शोभायात्रा अंबरीष मार्ग से शुरू होकर शाहगंज दरवाजा, लाल दरवाजा, चौक बाजार और मंडी रामदास होते हुए डींग गेट स्थित अंगूरी वाटिका पहुंची। यहां जलपान के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। इस अवसर पर फरह चैयर्समैन सालिग राम बटिया, सोनी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष मोहन सोनी, उपाध्यक्ष-पूर्व पार्षद दीपक वर्मा, महामंत्री जगदीश सोनी, कोषाध्यक्ष सुधीर वर्मा, डॉ. शैलेंद्र सिंह, पंचायती सुनारान सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील वर्मा, नारायण दास

चित्रपट की आरती कर किया शुभारंभ, अंबरीष मार्ग से डींग गेट तक निकली शोभायात्रा

वर्मा, बनवारी लाल वर्मा, राधेश्याम वर्मा, मनीष वर्मा, संजय वर्मा, राजकुमार, उमेश चंद सोनी, अमर सिंह वर्मा, अशोक वर्मा, रवि वर्मा, राजीव वर्मा, राजू भैंसे वाले, यूसी वर्मा, महेंद्र नाथ वर्मा, ओम प्रकाश सोनी, आशू गिलट वाले, ओम प्रकाश वर्मा, सुरेश चंद वर्मा, राकेश वर्मा, हरिओम वर्मा और मुकेश वर्मा मौजूद रहे।

जनजागृति एसोसिएशन के प्रदेश युवा अध्यक्ष सौरभ वर्मा, सोनी समाज युवा समिति के अध्यक्ष बॉबी वर्मा, उपाध्यक्ष सोनू वर्मा, नितिन वर्मा, राजेश बाबा, कुष्णा मुरारी भोला, चंद्रेश वर्मा, चिराग वर्मा, रूपकिशोर और राजीव बेरी वाले सहित समाज के अन्य गणमान्य लोगों ने भी सहभागिता की।

विषाणुओं से लड़ने वाला प्रोटीन खोजा, सीएसआईआर-सीसीएमबी को मिली अहम सफलता



विषाणुओं से लड़ने वाले प्रोटीन की खोज करने वाले डॉ. संतोष चौहान आदि वैज्ञानिक।

यूनिक समय, हैदराबाद। हैदराबाद स्थित वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के कोशिकीय-आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीएसआईआर-सीसीएमबी) के डॉ. संतोष चौहान के नेतृत्व वाले शोध दल ने विषाणु संक्रमण से लड़ने में मानव कोशिकाओं की मदद करने वाले एक महत्वपूर्ण जैविक तंत्र की खोज की है। शोधकर्ताओं ने एक ऐसे प्रोटीन की पहचान की है, जो विषाणु की आनुवंशिक सामग्री को पहचानने के साथ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने में भी भूमिका निभाता है। यह शोध प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका 'द ईएमबीओ जर्नल' में प्रकाशित हुआ है।

शोध के अनुसार, कोशिका के भीतर विषाणु के आरएनए यानी राइबोन्यूक्लिक अम्ल की पहचान होने पर संबंधित प्रोटीन की संरचना में बदलाव आता है। इसके बाद यह कोशिका के ऊर्जा उत्पादन केंद्र माइटोकॉन्ड्रिया तक पहुंचकर प्रतिरक्षा रक्षा से जुड़े प्रमुख प्रोटीनों को सक्रिय करता है। इससे टाइप-1 इंटरफेरॉन नामक रक्षात्मक अणु निकलते हैं, जो विषाणुओं के प्रसार को

डॉ. संतोष चौहान के शोध दल ने खोजा प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय करने वाला जैविक मार्ग

कोरोना, चिकनगुनिया और जापानी मस्तिष्क ज्वर के विरुद्ध सुरक्षा की नई उम्मीद

रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह जैविक तंत्र कोरोना विषाणु (सार्स-कोव-2), चिकनगुनिया और जापानी मस्तिष्क ज्वर के विषाणुओं सहित विभिन्न रोगजनकों के विरुद्ध व्यापक सुरक्षा की संभावनाएं प्रस्तुत करता है। डॉ. संतोष चौहान के नेतृत्व में शोध दल इस प्रोटीन को लक्षित करने वाली लघु-अणु आधारित संभावित औषधियों के विकास पर काम कर रहा है। अध्ययन के प्रथम लेखक डॉ. रिकू साहू हैं। शोध में डॉ. सौम्या कुंडू और डॉ. कोल्लोरी घर सहित अन्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोगियों ने योगदान दिया। अनुसंधान को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

वृंदावन में राम जन्मोत्सव की धूम, जयकारों से गुंजा पंडाल



राम के स्वरूप बने कलाकार को तिलक करते अतिथि।

यूनिक समय, वृंदावन। रंगनाथ मंदिर के बड़ा बगीचा में आयोजित श्री वृंदावन रामलीला महोत्सव के दूसरे दिन भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। राम जन्म की घोषणा होते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गुंजा उठा। बधाई गीतों के बीच श्रद्धालु भक्ति और उल्लास में झूम उठे। इस अवसर पर आयोजकों ने भक्तों पर फल, मिष्ठान, बिस्कुट, टॉफी और खिलौने लुटाए। प्रसाद स्वरूप उपहार पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया और माहौल उत्सवमय हो गया।

श्री वृंदावन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित चतुर्दश दिवसीय महोत्सव में दूसरे दिन अयोध्या में भगवान श्रीराम सहित चारों राजकुमारों के जन्म की लीला का सजीव मंचन किया गया। भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म की घोषणा के साथ ही अयोध्या में छापे आनंद का दृश्य मंच पर जीवंत हो उठा। 'अवध बाजे

राम जन्म की बधाई में भक्तों पर लुटाए फल-मिष्ठान खिलौने और टॉफियां

बधाई, राम जन्मे हैं आज' मंगलगान के बीच श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमने लगे। राम जन्मोत्सव की बधाइयों और जयकारों ने पूरे आयोजन को भक्तिमय बना दिया। इससे पूर्व श्री राधा सर्वेश्वर लीला संस्थान के निदेशक सौरभ द्विवेदी के आचार्यत्व में रामलीला का शुभारंभ किया गया। भगवान शर्मा एडवोकेट, मित्र वृंदा ग्रुप के निदेशक धनंजय सिंह और अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने राम दरबार का पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर आलोक बंसल, अनिल गौतम, लक्ष्मी नारायण दीक्षित, बंसी तिवारी, शुभम अग्रवाल, मधुमंगल शुक्ला, पारस अग्रवाल और आशीष ठाकुर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धवल चांदनी में विराजे ठाकुर द्वारकाधीश, भक्तों को दिए दर्शन



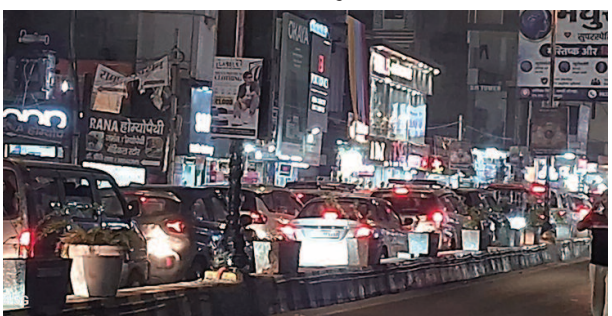
यूनिक समय, मथुरा। शरद पूर्णिमा पर पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में ठाकुर राजाधिराज धवल चांदनी में विराजमान हुए। श्वेत आभा से सजे प्रभु के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इस अलौकिक छटा के दर्शन के लिए देश-विदेश से आए भक्त मंदिर पहुंचे और अपने आराध्य के समक्ष शीश नवाया।

मंदिर के विधि-मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार के आदेशानुसार मंदिर के सभी कार्यक्रम निर्धारित किए जाते हैं। इसी क्रम में

शरद पूर्णिमा पर खीर खड़ी सहित सफेद व्यंजनों का लगाया भोग

शरद पूर्णिमा पर ठाकुरजी को धवल चांदनी में विराजमान कर विशेष दर्शन कराए गए।

इस अवसर पर परंपराानुसार खीर, खड़ी सहित सफेद वस्तुओं का भोग अर्पित किया गया। पूरे आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में मंदिर के अधिकारी-कर्मचारी पूरे मनोयोग से जुटे रहे।



कृष्णा नगर चौराहे पर आधे घंटे तक भीषण जाम

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर चौराहे पर रविवार शाम सात से साढ़े सात बजे तक जाम लगा रहा। भूतेश्वर से हाईवे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से राहगीरों को परेशानी हुई।